हरिभूमि
महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि
रोहतक, मंगलवार, 27 मई 2025

11 शहर व गांवों के लिए निरीक्षण टीमें गठित, पेयजल बहाने वालों...

12 13 वर्षों से नहीं हुआ मोहल्ला खटीकान की सड़क का...

पॉलिटेक्निक करें
नौकरी पाएं
सीटें सीमित
ADMISSION OPEN
For Session 2025-26
AIT KANINA
PHARMACY COLLEGE
Approved by : AICTE & PCI, New Delhi
DIPLOMA IN PHARMACY
2 YEARS COURSE
Eligibility :
10+2 Pass
(Medical & Non-Medical)
पता : AIT Pharmacy College गाहड़ा रोड, कनीना
Mob. : 9992696300, 9466464921, 9467543958

खबर संक्षेप

सेक्टर संवेदना हॉस्पिटल के सामने सुंदरकांड पाठ आज

नारनौल। श्री मेहंदीपुर बालाजी मित्र मंडल के तत्वावधान में मंगलवार रात को रमेश कुमार पंजाबी के निवास स्थान सेक्टर संवेदना हॉस्पिटल के सामने सुंदरकांड पाठ किया जाएगा। मंडल के सदस्य तरुण सोनी ने बताया कि सुंदरकांड पाठ की अध्यक्षता मंडल के प्रधान महावीर प्रसाद अग्रवाल करेंगे।

अटेली क्षेत्र के खोड़ में भंडारा आज

मंडी अटेली। अटेली क्षेत्र के खोड़ में निरंजन नाथ भभूता सिद्ध श्री जोतराम का भंडारा 27 मई को आयोजित किया जा रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि भंडारे में दूर दराज से आगे सरकार बाबा का प्रसाद ग्रहण करेंगे। वहीं सतगुरु भानाराम कुरावटा धाम में ज्योति प्रज्वलित करेंगे।

समाधान शिविर में आई शिकायतें

नारनौल। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के दिशानिर्देशानुसार सोमवार व वीरवार को जिला व उपमंडल स्तर पर लगाए जा रहे समाधान शिविर की कड़ी में सोमवार को लघु सचिवालय में उपायुक्त डॉ. विवेक भारती ने आमजन की शिकायतें सुनी। समाधान शिविर में कुल 61 शिकायतें आई। डीसी ने कहा कि मुख्यमंत्री खुद इन समाधान शिविरों की समय समय पर समीक्षा कर रहे हैं। इस मौके पर नगराधीश मंजीत कुमार, डीएसपी हरदीप सिंह के अलावा अन्य अधिकारी भी मौजूद थे।

बिजली उपभोक्ताओं के लिए अदालत आज

नारनौल। दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम उपभोक्ताओं की समस्याओं के समाधान के लिए एक विशेष बिजली अदालत का आयोजन मंगलवार को सर्कल कार्यालय सिंघाना रोड में किया जाएगा। अधीक्षक अभियंता जोगेंद्र हुड्डा ने बताया कि बिजली अदालत सुबह 110 बजे से दोपहर एक बजे तक संचालित की जाएगी। हुड्डा ने बताया कि इस अदालत में उपभोक्ता बिजली कनेक्शन से संबंधित शिकायतों व बिजली बिल से जुड़ी समस्याओं को सीधे अधिकारियों के समक्ष रख सकेंगे। मौके पर ही समाधान की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। जिससे उपभोक्ताओं को अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े। बिजली अदालत का मुख्य उद्देश्य उपभोक्ताओं को त्वरित व पारदर्शी समाधान प्रदान करना है। अधीक्षक अभियंता ने सभी उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे निर्धारित समय पर सर्कल कार्यालय पहुंचकर अपनी समस्याएं रखें और इस पहल का अधिक से अधिक लाभ उठाएं।

पंचायत समिति कार्यालय पर नपा प्रशासन ने जताया मालिकाना हक, अदालत से मिले स्टे आर्डर

- विवादित जमीन पर निर्माण कार्य शुरू करने पर नपा प्रशासन ने बीडीपीओ को लिखा पत्र
- अदालती आदेशों का तर्क देकर रूकवाया निर्माण कार्य

हरिभूमि न्यूज ⏭ नांगल चौधरी

पंचायत समिति (बीडीपीओ) कार्यालय की जमीन पर नपा प्रशासन व पंचायत समिति आमने सामने खड़े हो गए। नपा प्रशासन ने जमीन पर मालिकना हक जताते हुए दुकानों का किराया रिकवरी करने की इजाजत मांगी है। दोनों पक्षों की दलील सुनने के बाद अदालत ने मामले में यथा स्थिति बनाए रखने के निर्देश दिए हैं। बावजूद पंचायत समिति ने कार्यालय पर निर्माण कार्य शुरू करवा दिया। इसके बाद नपा का आपत्ति पत्र मिलने के बाद बीडीपीओ ने निर्माण कार्य को बंद करवा दिया है।

जानकारी के मुताबिक 21 जनवरी 2013 को नगर पालिका का गठन किया गया था। उस दौरान ग्राम पंचायत की जमीन नपा के सौंपी गई थी। जिसमें अस्थाई बस स्टैंड की तरफ कुछ दुकानें तथा थोड़ी जमीन शामिल है, लेकिन रिकॉर्ड का अवलोकन करने पर पंचायत समिति का कार्यालय व खाली पड़ी जमीन भी नपा के नाम होने की पुष्टि हुई थी। कार्यालय के लिए जो भवन पंचायत समिति से किराये पर लिया गया था, वह रकबा भी नपा के नाम मिला। इसके बाद नपा प्रशासन ने पंचायत समिति किराया देना बंद कर दिया। साथ ही पंचायत समिति के कब्जे वाली

नांगल चौधरी। पंचायत समित कार्यालय की छत पर रोका गया निर्माण कार्य। फोटो : हरिभूमि

दुकानों को छुड़ाने के लिए अदालत में केस दायर किया गया। तर्क दिया की रिकॉर्ड में पूरी जमीन नपा की मलकियत है, तो किराया वसूलने का अधिकार भी नगर पालिका का है। नपा की याचिका पर अदालत ने पंचायत समिति को तलब किया तथा विवादित जमीन के संदर्भ में रिकॉर्ड मांगा। दोनों पक्षा की दलील सुनने के बाद अदालत ने कंप्लीट प्रक्रिया पर स्टे आर्डर जारी कर दिए। पंचायत समिति को कार्यालय या जमीन पर कोई निर्माण नहीं करने की हिदायत दी गई थी। बावजूद पंचायत समित ने कार्यालय पर भवन निर्माण का कार्य शुरू कर दिया। जिस पर नपा सचिव ने कड़ा एतराज जताया तथा बीडीपीओ को पत्र लिखकर कोर्ट की स्टे होने की जानकारी दी। पत्र में हिदायत दी गई की निर्माण कार्य नहीं रोका गया तो कोर्ट में अवमानना का केस दायर किया जाएगा। इसके बाद बीडीपीओ ने तुरंत प्रभाव से निर्माण कार्य को रूकवा दिया तथा यथा स्थिति बनाए रखने का आश्वासन दिया।

नपा की मलकियत पर पंचायत समिति कार्यालय, कोर्ट में मामला विचाराधीन

नपा के सचिव सौरभ जैन ने बताया कि राजस्व विभाग के रिकॉर्ड में पंचायत समिति कार्यालय और कैंपस नगर पालिका की मलकियत है। पंचायत विभाग से कब्जा छुड़वाने के लिए कोर्ट में केस दायर किया था। जहां से यथा स्थिति बनाए रखने के आदेश हुए हैं। बावजूद पंचायत समिति ने कार्यालय पर निर्माण शुरू करवा दिया, जिसे रूकवाने के लिए बीडीपीओ को पत्र लिखा गया था। पत्र मिलने के बीडीपीओ ने काम बंद करवा दिया है।

अदालत के आदेशों की होगी पालना निर्माण कार्य बंद करवा दिया

बीडीपीओ मनोज कुमार ने बताया कि पंचायत समिति के कैंपस, कार्यालय की जमीन का मामला कोर्ट में विचाराधीन है। चेयरमैन ने निर्माण शुरू करवा दिया था, अब स्टे आर्डरों की सूचना मिलते ही निर्माण कार्य को बंद करवा दिया है। उन्होंने बताया कि अदालत का फैसला आने तक यथास्थिति बनाए रखेंगे।

पहली कट ऑफ 19 जून तो दूसरी कट आफ आएगी 26 जून को

इस बार कट ऑफ लिस्ट से पहले आएगी ऑब्जेक्शन लिस्ट, त्रुटियों को करना होगा दूर

- जो छात्र 9 जून तक नहीं कर पाएंगे ऑनलाइन आवेदन, उन्हें 2 जुलाई को आवेदन करने का फिर से मिलेगा मौका

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

आजकल कॉलेजों में एडमिशन के लिए ऑनलाइन आवेदन करने की प्रक्रिया जारी है। दस जमा दो कक्षा उत्तीर्ण छात्र-छात्राएं आगामी 9 जून तक ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। यह प्रक्रिया गत 19 मई से शुरू हुई थी, जो 9 जून तक चलेगी। इसके बाद 11 जून को सभी पंजीकृत विद्यार्थियों की सूची डिस्प्ले कर दी जाएगी। इस बार कट ऑफ लिस्ट से पहले प्रोविजनल मेरिट लिस्ट भी जारी की जाएगी। यह सूची प्रवेश की पुष्टि तो नहीं करेगी, लेकिन इसमें संभावित विद्यार्थियों का नाम आ जाएगा, जो प्रवेश पाने के योग्य माने गए हैं। तत्पश्चात फाइनल मेरिट लिस्ट जारी की जाएगी और इस सूची में शामिल विद्यार्थी ही कॉलेजों में एडमिशन ले सकेंगे।

उल्लेखनीय है कि इस बार उच्चत्तर शिक्षा निदेशालय पंचकुला ने कॉलेजों में एडमिशन के लिए जारी प्रक्रिया में काफी बदलाव कर दिए हैं। इस बार मेरिट लिस्ट से पहले एक ऑब्जेक्शन लिस्ट भी आएगी, जिसके लिए 11 जून निर्धारित की गई है। यह वह लिस्ट होगी, जिसमें छात्र-छात्राओं के आवेदनों या तो त्रुटियां पाई जाएंगी या फिर दस्तावेजों में कमी होगी। ऑब्जेक्शन लिस्ट में शामिल छात्रों को एक निश्चित समय अवधि दी जाएगी, ताकि वे अपने दस्तावेजों या आवेदन में मौजूद त्रुटियों को सुधार सकें। इसके पश्चात 16 जून को दाखिले के लिए योग्य विद्यार्थियों की लिस्ट जारी होगी, जिसमें छात्र-छात्राएं अपना नाम चेक कर सकते हैं, क्योंकि आगे जो भी एडमिशन होंगे, वह इस लिस्ट में शामिल विद्यार्थियों को ही मौका मिलेगा।

इस बार उच्चत्तर शिक्षा निदेशालय ने प्रथम प्रोविजनल मेरिट लिस्ट का भी प्रावधान किया है। यह अस्थाई मेरिट लिस्ट होगी, जिसे संभावित माना जा सकता है। इस बार पहली प्रोविजनल मेरिट लिस्ट 18 जून को जारी होगी, जबकि पहली फाइनल मेरिट लिस्ट 19 जून को आएगी। 19 जून की सूची में जिन विद्यार्थियों के नाम शामिल होंगे, उन्हें पहले एडमिशन मिल जाएगा और उन्हें 20 स 23 जून तक कॉलेज में जाकर अपनी फीस जमा करवानी होगी। इसके बाद दूसरी प्रोविजनल लिस्ट 25 जून को जारी होगी, जिसकी सेकेंड फाइनल मेरिट लिस्ट 26 जून को जारी होगी। फाइनल मेरिट लिस्ट में शामिल विद्यार्थी 27 से 29 जून तक फीस जमा करवा सकेंगे। एक जुलाई से ओपन मेरिट लिस्ट से बचे स्टूडेंट्स के लिए फिजिकल काउंसलिंग के जरिए एडमिशन दिए जाएंगे। पहली और दूसरी फाइनल मेरिट लिस्ट के बावजूद भी यदि कॉलेजों में सीटें रिक्त रह जाती हैं तो एडमिशन लेने के इच्छुक छात्र नए सिरे से ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। ऐसे विद्यार्थियों के लिए 2 जुलाई को नए आवेदन करने के लिए फिर से दाखिला पोर्टल खोला जाएगा। इन विद्यार्थियों को ओपन फिजिकल काउंसलिंग के जरिए एडमिशन दिए जाएंगे और दाखिला लेने की अंतिम तिथि 15 जुलाई होगी।

नारनौल। रेलवे रोड स्थित पीजी कॉलेज। फोटो : हरिभूमि

दाखिले में लगाएं यह दस्तावेजे

कॉलेज में एडमिशन के लिए छात्र-छात्राओं को जरूरी दस्तावेजों में 10वीं और 12वीं की मार्कशीट को लगानी ही होगी। साथ में आधारी कार्ड, फैमिली आईडी, नई पासपोर्ट साइज फोटो, जाति प्रमाण पत्र, छात्रवृत्ति और ईडब्ल्यूएस कोटा के लिए आय प्रमाण पत्र, हरियाणा का मूल निवास प्रमाण पत्र आदि दस्तावेज लगाने होंगे।

यह बोले एडमिशन इंचार्ज

राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय नारनौल के एडमिशन ब्रांच के नोडल अफसर डा. सतीश सैनी ने बताया कि आजकल कॉलेज में दाखिलों के लिए ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया चली हुई है, जो 9 जून तक चलेगी। यदि आवेदन में कोई त्रुटि रह जाए तो इस बार सुधार का मौका मिलेगा, जिसे बिना देरी किए नहीं गंवाना चाहिए। जिन विद्यार्थियों का मेरिट लिस्ट में नाम आ जाए, उन्हें निर्धारित अवधि में फीस जमा करवानी होगी।

इस बार लगाना होगा एससी का नया सर्टिफिकेट

जो छात्र-छात्राएं एससी कैटेगरी से संबंध रखते हैं और जिन्होंने पहले से एससी का सर्टिफिकेट बनवा रखा है, उन्हें सचेत होने की आवश्यकता है, क्योंकि हरियाणा सरकार ने एससी कैटेगरी को ए और बी भागों में बांट दिया है। ऐसे में एससी से संबंध रखने वाले सभी छात्र-छात्राओं का नया एससी का प्रमाण पत्र बनवाना होगा। वह स्टेट एवं सेंटर गवर्नमेंट के अनुसार दो अलग-अलग जाति प्रमाण पत्र बनवा सकते हैं, लेकिन नए फॉरमेट के अनुसार जाति प्रमाण पत्र होना अनिवार्य होगा। अन्यथा रिजर्व कैटेगरी का लाभ नहीं मिलेगा।

कॉलेज एडमिशन

खनिज के अवैध परिवहन का मामला

सप्ताह में 3 वाहन जब्त 7.20 लाख का जुर्माना

- प्रशासन व पुलिस टीम अवैध खनन के खिलाफ लगातार कर रही कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

जिले में खनन कार्य पूरी पारदर्शिता के साथ किया जा रहा है। जिला प्रशासन की ओर से गठित की गई टास्क फोर्स लगातार छापे मार कार्रवाई कर रही है। इसी कड़ी में पिछले सात दिन में 978 वाहनों की चेकिंग की गई। इस दौरान नियमों की अवहेलना करने पर तीन वाहनों को जब्त किया गया। जिला खनन इंजीनियर डॉ. राजेश कुमार ने बताया कि पिछले एक सप्ताह में टीम ने 978 वाहनों की जांच की। इस दौरान तीन वाहनों को जब्त किया गया। इन पर 7.20 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। उन्होंने बताया कि विभाग के महानिदेशक केएम पांडुरंग व उपयुक्त डॉ. विवेक भारती के दिशा निर्देश अनुसार टीम लगातार फील्ड में कार्य कर रही है। जिले में अवैध खनन व खनिज का अवैध परिवहन किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

नारनौल। टीम की ओर से पकड़े गए वाहन। फोटो : हरिभूमि

पुलिस टीम का लगातार मिल रहा सहयोग

जिला खनन इंजीनियर डॉक्टर राजेश कुमार ने बताया कि पुलिस अधीक्षक पूजा वशिष्ठ के निर्देशानुसार अवैध खनन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए पुलिस की स्पेशल टीम विभाग के साथ मिलकर कार्य कर रही है। पुलिस विभाग के भरपूर सहयोग के कारण ही बेहतर तरीके से यह कार्रवाई अंजाम तक पहुंचाई जा रही है। थाना निजामपुर व गठित टीम की ओर से निजामपुर के पांचनौता क्षेत्र में लगातार स्पेशल चेकिंग अभियान चलाया हुआ है।

दो कारों में हुई आमने-सामने की टक्कर में 7 वर्षीय बच्ची की दर्दनाक मौत, 9 घायल

कनीना। कनीना-दादरी मार्ग पर गांव खेड़ी तलवाना के समीप सोमवार सायं दो कारों वेगनआर व आई-10 में हुई आमने-सामने की टक्कर में 7 वर्षीय बच्ची की दर्दनाक मौत हो गई। वहीं दोनों गाड़ियों में सवार एक महिला सहित 9 व्यक्ति घायल हो गए। बाबा भोलागिरी मंदिर ट्रस्ट के प्रधान कैप्टन ओमपाल सिंह ने बताया कि वेगनआर कार कनीना से नौताना की तरफ जा रही थी, जिसमें दो पुरुष, एक महिला व एक बच्ची सवार थी। जबकि सामने से आ रही एक आइटेन-10 कार में छह व्यक्ति सवार थे जो खेड़ी गांव से किसी शादी समारोह में शरीक होने जा रहे थे। वेगनआर कार के आगे- पीछे के शीशे पर लाल रंग से चालक लर्नर का चिन्ह बना हुआ था। जिसे नियंत्रित गति से महिला चल रही थी। प्रत्यक्ष प्रत्यक्ष दृशियों द्वारा बताया जाता है कि यह गाड़ी प्रतिदिन धीमी गति से इधर से गुजरती है जबकि आई-10 कार के चालक ने गाड़ी तेज गति दौड़ा रखी थी। चालक द्वारा बरती जा रही लापरवाही के चलते कार अनियंत्रित होकर सामने से आ रही वेगनआर कार से टकरा गई। दोनों कारों के एयर बैग खुल गए और अधिक कैजुअल्टी होने से बच गई। इस हादसे में वेगनआर कार में सवार नोताना गांव की एक 7 वर्ष की बच्ची की दर्दनाक मौत हो गई।वही दोनों कारों में सवार अन्य 9 लोग घायल हो गए।

राजकीय महिला महाविद्यालय यूजी के सीटों पर एक नजर

संकाय सीट	साइंस 80
बीए 720	बीए आनर्स अंग्रेजी 40
बीकॉम 160	**पीजी कॉलेज**
बीएससी फिजिकल	एमए अंग्रेजी 40
साइंस 80	एमकॉम 40
बीएससी लाइफ	एमए ज्योग्रोफी 40

राजकीय महाविद्यालयों में आनलाइन पोर्टल पर दाखिला प्रक्रिया शुरू

महेंद्रगढ़। उच्चतर शिक्षा विभाग की ओर से राजकीय महाविद्यालयों में आनलाइन पोर्टल पर दाखिला प्रक्रिया शुरू हो गई है। महाविद्यालय में तीन चरणों में दाखिला प्रक्रिया पूरी की जाएगी। हरियाणा बोर्ड और सीबीएसई की ओर से 12वीं कक्षा का परीक्षा परिणाम जारी किया जा चुका है। ऐसे में जिले के करीब 15 हजार विद्यार्थी दाखिले की दौड़ में हैं। राजकीय महिला महाविद्यालय महेंद्रगढ़ में स्नातक के पांच संकायों में 1080 और स्नातकोत्तर के तीन संकायों में 120 सीटों पर दाखिले होंगे। राजकीय महिला महाविद्यालय के नोडल अधिकारी व कार्यवाहक प्राचार्य प्रो. मक्खन ने बताया कि उच्चतर शिक्षा विभाग की तरफ से दाखिले के लिए आनलाइन पोर्टल खोल दे दिया है। महाविद्यालय में पिछले वर्ष की तरह इस बार महाविद्यालय में दाखिले के सीमित सीटों पर दाखिला किया जाएगा। शारीरिक परामर्श के प्रथम सप्ताह के दूसरे दिन से 100 रुपये प्रतिदिन, दूसरे सप्ताह से 100 रुपये प्रति अतिरिक्त दिन लिया जाएगा। प्रवेश शुल्क के भुगतान, रिफंड, बैंकिंग संबंधी विवरण आदि के निर्देश पृथक से पोर्टल पर उपलब्ध करवाए जाएंगे।

सिहमा में नाले के निर्माण में बरती जा रही अनियमितताओं को लेकर ग्रामीणों में रोष

हरिभूमि न्यूज ⏭ मंडी अटेली

भले ही सरकार भ्रष्टाचार रोकने के दावे कर रही हो और विकास कार्यों के लिए प्रशासन को दी गई ग्रांट को पूर्ण रूप से विकास कार्य में पाई-पाई लगाने की बात कह रही हो, लेकिन धरातल पर ये बातें खोखली साबित होती दिखाई दे रही हैं। फैजाबाद कनीना रोड पर सिहमा में सड़क के दोनों तरफ टाइलें लगाई जा रही हैं।

उन टाइलों के साथ गंदे पानी के नाले का निर्माण भी किया जा रहा है। ग्रामीण अजीत यादव, सचिन कुमार, विनोद शर्मा, श्याम सुंदर, दीपांशु शर्मा ने बताया कि सिहमा में बाछौद मोड़ पर नाले के निर्माण कार्य में ठेकेदार बिना पैमाइश व बिना लेवल कर नाले का निर्माण कार्य किया जा रहा है। नाले के निर्माण में घटिया सामग्री का प्रयोग किया जा रहा है।

मंडी अटेली। अनियमितताओं के विरुद्ध रोष जताते ग्रामीण।

नपा के वार्डों में 6.50 करोड़ की लागत से लगेंगी स्ट्रीट लाइट

हरिभूमि न्यूज ⏭ नांगल चौधरी

नपा के सभी 13 वार्डों में 6.30 करोड़ रुपये की लागत से स्ट्रीट लाइटों का प्रबंध किया जाएगा। टैंडर छोड़ने के बाद ठेकेदार को दीपावली से पहले लाइटों को चालू करके नपा के सुपुर्द करने की हिदायत दी है। इसके बाद ठेकेदार ने राव तुलाराम चौक ने लाइटों के पोल खड़े करने का शुभारंभ किया है। कार्यक्रम में पंचायत समिति की चेयरपर्सन प्रिया सैनी व प्रशासक एसडीएम मनोज कुमार मुख्य रूप से मौजूद रहे।

उन्होंने बताया कि शहर में अधिकांश रास्तों का पक्का निर्माण तथा सड़कों की रिपेयर करवा दी है। डिमांड के अनुसार लोगों को पेयजल कनेक्सन देकर वार्ड वाइज निर्धारित प्वाइंटों पर डस्टबिन रखे गए हैं, लेकिन स्ट्रीट लाइटों की सुविधा नहीं जिस कारण शहर में लूटपाट या अन्य अपराधिक वारदात होने का अंदेशा बना रहता है। बीते दिनों नपा पार्षदों की बैठक में सभी वार्डों में स्ट्रीट लाइट लगाने का प्रस्ताव पारित किया गया था। प्रस्ताव को डीएमसी की मंजूरी मिलने के बाद विभाग ने बजट स्वीकृत कर दिया। इसके बाद नपा प्रशासन लाइट लगाने के लिए टैंडर छोड़े थे। विभिन्न प्रक्रिया पूरी होने पर नपा ने ठेकेदार को वर्क आर्डर जारी कर दिए हैं। ठेकेदार ने सोमवार की सुबह लाइटें लगाने की प्रक्रिया आरंभ कर दी है। उन्होंने बताया कि टैंडर की शर्तानुसार ठेकेदार को 300 दिन में काम पूरा करना होगा।

इस संदर्भ में नपा सचिव सौरभ जैन ने बताया कि लाइटों को सीसीएमएस तकनीक से जोड़ा जाएगा। जिसकी मदद से खराब लाइट की सूचना नपा के ऑनलाइन पोर्टल पर पंजीकृत हो जाएगी। इस तकनीक से तत्काल प्रभाव से रिपेयर की प्रक्रिया शुरू हो सकेगी। कार्यक्रम में वाइस चेयरमैन मुकेश शर्मा, कंवर सिंह जाखड़, धर्मबीर यादव, सतपाल डांगी, धर्मेंद्र सिंह, रमेश, बंटी मौजूद रहे।

नांगल चौधरी। लाइटों के पोल की आधारशिला रखती चेयरपर्सन प्रिया सैनी। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि
सहेली

बच्चों का हर समय मोबाइल गेम में लगे रहना या कुछ ना कुछ देखते रहना यानी मोबाइल एडिक्ट हो जाना, उसकी फिजिकल ही नहीं मेंटल हेल्थ के लिए भी खतरनाक है। एक तरह से मोबाइल एडिक्शन बच्चों का बचपन छीन रहा है। इसलिए बच्चों के स्मार्टफोन के ओवर यूज पर पैरेंट्स का समय रहते एलर्ट होना बहुत जरूरी है। हम दे रहे हैं आपके लिए जरूरी सलाह।

स्मार्टफोन का ओवर यूज
बच्चों के लिए अनहेल्दी

कवर स्टोरी
डॉ. मोनिका शर्मा

आजकल बच्चे स्कूली रूटीन में ही अपना काफी समय स्क्रीन पर गेम खेलने में बिताते हैं। इसलिए इन छुट्टियों में बच्चों को मिलने वाले फ्री समय के इस्तेमाल को लेकर बहुत ही सजगता की जरूरत है। हाल ही में सामने आया एक मामला हम सबको को चेताने वाला है। दिल्ली में मोबाइल पर गेम खेलने की लत के कारण एक उन्नीस साल के लड़के को रीढ़ की हड्डी की सर्जरी करवानी पड़ी। असल में बारह घंटे से ज्यादा वक्त तक अपने कमरे में अलग-थलग रहने की वजह से उसे आंशिक लकवा हो गया था। धीरे-धीरे उसकी रीढ़ की हड्डी झुक गई और उसका ब्लैडर पर कंट्रोल तक खोने लगा। पहले से चल रही स्वास्थ्य समस्याएं और तकलीफदेह हो गईं। मोबाइल गेमिंग एडिक्शन के कारण अस्पताल पहुंचने पर उसे चलने और यूरिन करने में भी मुश्किल हो रही थी। चिंतनीय है कि बच्चों में स्क्रीन पर गेम्स खेलने की लत से बढ़ रही स्वास्थ्य समस्याएं अब खूब देखने को मिल रही हैं। अगर आपके परिवार में भी कोई बच्चा घंटों मोबाइल में गेम खेलता है, तो समय रहते चेत जाएं। खासतौर से इन दिनों गर्मी की छुट्टियों में बच्चों को सकारात्मक और रचनात्मक ढंग से समय बिताने के लिए प्रेरित करें।

अनजान ना बनें पैरेंट्स: आज शहरी ही नहीं, गांवों-कस्बों में रहने वाले पैरेंट्स को भी इन गैजेट्स से होने वाली तकलीफों की जानकारी है। कमोबेश सभी जानते हैं कि इनका हद से ज्यादा इस्तेमाल नुकसानदेह है। फिर भी आजकल घर-घर में बच्चे स्मार्ट गैजेट्स के साथ घंटों खेलते हैं। कहीं ना कहीं इस अनदेखी की वजह बड़ों का स्वार्थ या दायित्वहीनता भी है। इनके पास न बच्चों से बात करने का समय है, न ही खेलने का। ऐसे में स्मार्ट गैजेट्स बच्चों को बिजी रखने का सबसे सहज तरीका लगने लगे हैं। आजकल अधिकांश बच्चों के फुर्सत के लम्हे स्क्रीन स्क्रॉल करते बीत रहे हैं। पैरेंट्स के अपने काम में खलल न पड़ने की चाह तो कुछ बच्चों की मासूम मन की ख्वाहिश या कहें पैरेंट्स ने तकनीक से मिली सहूलियत को बच्चों की जिंदगी का अहम हिस्सा बनाकर समस्या खड़ी कर ली है। सब कुछ जानते-समझते की जा रही यह अनदेखी कई मामलों में बीमारियां पैदा कर रही है। यही वजह है कि अमेरिका और इंग्लैंड जैसे देशों में तो पैरेंट्स महंगी फीस चुका कर बच्चों को मोबाइल की लत से छुटकारा दिला रहे हैं।

सजग होना होगा: आंगन की चहचहाहट माने जाने वाले बच्चे स्क्रीन के दायरे तक सिमट कर व्याधियों के घेरे में आने लगें तो सचेत होना बहुत जरूरी है। इस फ्रंट पर परिजनों की भूमिका अहम हो जाती है, क्योंकि बच्चों का नासमझ मन, स्क्रीन के मन-मुताबिक चलने वाली दुनिया से बाहर नहीं आ सकता। ऑनलाइन खेल बच्चों को खूब पसंद आते हैं। ऐसे में घर के बड़ों का सचेत होना ही बच्चों को इनसे होने वाली शारीरिक-मानसिक व्याधियों से बचा सकता है। पैरेंट्स स्मार्ट गैजेट्स के उन खतरों की अनदेखी न करें, जो नई पीढ़ी की सेहत और स्वभाव दोनों को नुकसान पहुंचा रहे हैं। व्यवहार और विचार के नेगेटिव बदलाव से लेकर शारीरिक तकलीफों के सामने आने तक, कई बातें यह पुख्ता कर रही हैं कि इन स्मार्ट गैजेट्स के जाल में फंस जाना बच्चों के लिए बेहद नुकसानदेह साबित हो रहा है। इस मायावी दुनिया में खोए रहने से बच्चों की हेल्थ, बिहेवियर, ईटिंग हैबिट्स और सोशल लाइफ, सभी बुरी तरह प्रभावित हो रहे हैं। अफसोस कि स्मार्ट गैजेट्स की लत बच्चों में एक पूरी अस्वस्थ जीवनशैली को जन्म दे रही है।

जीवनशैली बदलें: भारतीय बच्चों के मामले में जेएमआईआर रिसर्च प्रोटोकॉल पत्रिका में 2024 की रिपोर्ट बताती है कि बढ़ते स्क्रीन

टाइम के कारण बच्चों में नींद से जुड़ी परेशानी देखने को मिल रही है। छुट्टियों में बच्चों को सधी-स्वस्थ जीवनशैली की ओर मोड़िए। स्मार्ट गैजेट्स से दूरी के लिए जीवनशैली का बदलाव ही पहला कदम है। फुर्सत के ये दिन डिजिटल लाइफस्टाइल से दूर उनके साथ समय बिताने, आउटडोर गेम्स खेलने और सार्थक कम्युनिकेशन करने का मुफीद समय है। इसके लिए खुद पैरेंट्स भी इन गैजेट्स की जद से बाहर आएं। टेक्नोलॉजिकल रेवोल्यूशन के नाम पर जिंदगी से ही दूर होते पैरेंट्स खुद भी सचेत हों और फिर बच्चों को लती बनने से बचाएं। कम उम्र में इन गैजेट्स के साथ समय बिता रहे बच्चे परिवार और समाज से ही नहीं, खुद पैरेंट्स से भी दूर हो रहे हैं। स्क्रीन की दुनिया में खेल खेलने में गुम बच्चों की एक अलग ही दुनिया बन जाती है। बच्चे वास्तविक संसार के बजाय वर्चुअल वर्ल्ड में सहज महसूस करने लगते हैं। गैजेट्स के साथ समय बिताते हुए बच्चे शारीरिक श्रम से ही दूर नहीं होते, मानसिक रूप से भी मेहनत करना भूल जाते हैं। ऑनलाइन गेम्स खेलते हुए किसी भी परेशानी से क्विट करने की आदत हो जाती है। संघर्ष की सोच और वास्तविक जीवन की समझ से परे बनने वाला उनका व्यक्तित्व, विचार और व्यवहार के मोर्चे पर दिशाहीन हो जाता है। ऐसी स्थितियां, असल जिंदगी में हर पहलू पर तकलीफें ही पैदा करती हैं, जो बच्चे के भविष्य के लिए सही नहीं हैं।

खिलौने नहीं हैं स्मार्ट गैजेट्स

छुट्टियों में मिलने वाले समय को बिताने के लिए स्मार्ट गैजेट्स को खिलौने ना बनाएं। पैरेंट्स बच्चों को पहले आदत, फिर आगे चलकर इसे लत की स्थिति तक न पहुंचाएं। एक बार स्मार्ट स्क्रीन में गेम्स खेलने की लत लग जाने पर बच्चे इनके बिना खुश रहना ही भूल जाते हैं। तकलीफदेह है कि अब तो दादी, नानी के घर आए बच्चे भी ऑनलाइन गेम्स में ही गुम रहते हैं। पैरेंट्स समय बिताने का माध्यम समझ कर बच्चों के हाथ में मोबाइल थमा देने से पहले इनके खतरों को गंभीरता से समझें। इनसे पैदा होने वाले जोखिमों को याद रखें। अब यह जरूरी हो गया है कि बच्चों को गैजेट्स की दुनिया में खेलने या समय बिताने भर के लिए ना धकेल दिया जाए। मोबाइल में गेम्स खेलने की आदत पड़ जाए तो बच्चों को इनसे बाहर निकालना मुश्किल हो जाता है। आदत हो जाने पर कुछ बच्चे स्मार्टफोन या आईपैड ना देने पर जिद करते हैं, गुस्सा दिखाते हैं। व्यवहारगत समस्याएं देने वाली चीजें, बच्चों के लिए खिलौने नहीं हो सकतीं।

बच्चे हो रहे हैं हताशा- डिप्रेशन-क्रोध के शिकार

प्रतिष्ठित विज्ञान पत्रिका प्लस वन में प्रकाशित अध्ययन के अनुसार स्मार्टफोन, बच्चों को दोस्तों और रिश्तेदारों से दूर कर रहा है। साल 2018 से 2024 के बीच जर्मनी में हुई 'लाइफ चाइल्ड स्टडी' में दुनिया भर के बच्चों को शामिल किया गया। अध्ययन में सामने आया कि मोबाइल स्क्रीन में ज्यादा समय बिताने वाले बच्चों में हताशा, डिप्रेशन और क्रोध की चिंताजनक स्थिति देखी गई। साथ ही बच्चों में पीएसयू यानी प्रोबलेमेटिक स्मार्टफोन यूज की प्रॉब्लम स्पष्ट दिखने लगी है। इस स्थिति में स्मार्टफोन का इस्तेमाल इतना बढ़ जाता है कि यह बच्चों की नींद, पढ़ाई और पारिवारिक संबंधों पर नेगेटिव असर डालने लगता है। समझना मुश्किल नहीं कि छुट्टियां ही तो दोस्तों और रिश्तेदारों से जुड़ने का समय होता है। ऐसे में फुर्सत के ये दिन वास्तविक संसार से जुड़कर ही बिताएं।

नकारात्मक लोगों से बचें
मजबूत होगा आत्मबल

नकारात्मक लोगों से बचने का एक ही रास्ता है, आत्मबल को मजबूत किया जाए। खुद के कामों पर ध्यान केंद्रित कर सकारात्मक लोगों के साथ रहें। इससे जीवन की राह आसान होगी और तरक्की के रास्ते खुलेंगे।

सलाह
अनीता जैन

हमारे जीवन की राह हमेशा आसान नहीं होती। जैसे-जैसे हम सफलता की ओर बढ़ते हैं, वैसे-वैसे कुछ ऐसे लोग भी हमारे आस-पास आ जाते हैं, जो हमारी तरक्की से असहज महसूस करते हैं। वे हमारे आत्मबल को तोड़ने, हमारे कार्यों को नीचा दिखाने और हमें भ्रमित करने की कोशिश करते हैं। कई बार तो ये लोग इतने करीब होते हैं कि उनकी कही बातें हमे सच्ची लगने लगती हैं। हमें संदेह होने लगता है कि हमारे लिए निर्णय सही हैं या गलत। ऐसे समय में यह समझना बहुत आवश्यक है कि ये नकारात्मक विचार हमारे अपने नहीं, बल्कि दूसरों की विषैली सोच का परिणाम हैं। यदि हम इन बातों को अपने भीतर जगह दे दें, तो हमारा आत्मबल धीरे-धीरे टूटने लगता है। हमें यह स्वीकार करना होगा कि हर कोई हमारी सोच, हमारे रास्ते या हमारे फैसलों को समझ नहीं सकता। कुछ लोग जान-बूझकर हमारी मानसिक शांति भंग करते हैं, ताकि हम अपने मार्ग से भटक जाएं। लेकिन ऐसे समय में खुद पर विश्वास बनाए रखना बहुत जरूरी है। हमें यह समझने की जरूरत है कि यदि हमारी नीयत साफ और मेहनत सच्ची है तो कोई भी नकारात्मकता हमें नुकसान नहीं पहुंचा सकती। जरूरत है, बस मानसिक मजबूती, सकारात्मक संगत और एकाग्रता की। नकारात्मक लोगों से कैसे बचा जाए, कैसे खुद को इतना मजबूत बनाया जाए कि उनकी कोई बात हमारे मन को प्रभावित न कर सके। इन बातों का जानना आपके लिए जरूरी है ताकि आपका आत्मबल कमजोर न पड़े।

स्वयं को परखें: जब कोई आपको बार-बार गलत साबित करने की कोशिश करे, तो सबसे पहले यह जांचें कि क्या आप वाकई किसी गलत रास्ते पर हैं? अगर नहीं, तो खुद पर विश्वास रखें। आत्मविश्वास ही वह ढाल है, जो नकारात्मकता के हर वार को निष्फल कर देता है।

सीमाएं तय करें: ऐसे लोगों से संवाद करते समय अपनी सीमाएं तय करें। अधिक निकटता या व्यक्तिगत बातचीत से बचें। सीमाएं तय करना, न तो असभ्यता है और न ही दूरी बनाना, बल्कि यह एक जरूरी आत्म-संरक्षण है।

प्रतिक्रिया देने से बचें: हर बात का जवाब देना जरूरी नहीं होता। नकारात्मक लोग अकसर प्रतिक्रिया की तलाश में रहते हैं। चुप रहकर या मुस्कुराकर आगे बढ़ जाना कई बार सबसे सटीक उत्तर होता है।

सकारात्मक लोगों के साथ रहें: आप जिन लोगों के साथ रहती हैं, उनका असर आपके सोचने के तरीके पर भी होता है। सकारात्मक, प्रेरणादायक और सहयोगी लोगों के साथ रहने से आपका आत्मबल बना रहता है।

अपने कार्य पर केंद्रित रहें: जब कोई आपको गिराने की कोशिश करे, तब अपने काम में और भी अधिक मन लगाएं। आपका समर्पण ही ऐसे लोगों को मूक उत्तर दे सकता है।

ध्यान-योग का सहारा लें: नकारात्मकता से घिरे रहने पर मन अशांत हो जाता है। ऐसे में नियमित ध्यान और योग से मानसिक शांति मिलती है। यह न केवल तनाव को दूर करता है, बल्कि अंदर से मजबूती भी देता है।

खुद को याद दिलाएं: लोग क्या कहते हैं, उससे ज्यादा जरूरी यह है कि आप क्या कर रहे हैं? समय आने पर सच्चाई सामने आती है और मेहनत रंग लाती है।

वास्तु-सलाह
मधु सिंह

घर की सजावट में विंड चाइम्स का प्रयोग सदियों से होता रहा है। वास्तु शास्त्र में इसकी सजावट से घर में आने वाली पॉजिटिविटी के बारे में बताया गया है। लेकिन इसकी सजावट करते समय कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए।

घर में सुख-समृद्धि लाएं
विंड चाइम्स

विंड चाइम्स, सिर्फ घर के भीतर की सजावट के लिए यूज होने वाला एक डेकोरेटिव आइटम ही नहीं है। इसे सजाने से घर के बरामदे या बागीचे की शोभा बढ़ती है। इनसे टकराकर जब हवा गुजरती है तो इनसे जो मधुर ध्वनियां निकलती हैं, उससे घर में नेगेटिव वाइब्स दूर होती हैं और हमारे आस-पास का वातावरण शांत-पॉजिटिव हो जाता है।

घर में आती है सकारात्मकता: हवा के झोंके विंड चाइम्स की झनकार को बाहरी तौर पर ही नहीं, हमारे मन में भी गुंजायमान करते हैं। ये हमारे भीतर भी संगीत लहरी निर्मित करती है। इससे हम खुद को प्रकृति के साथ ज्यादा जुड़ा महसूस करते हैं। वास्तु शास्त्र के मुताबिक विंड चाइम्स में बजने वाली ध्वनि का कंपन हमारे भीतर एक नई ऊर्जा का संचार करता है। यह हमारे जीवन में सौभाग्य, सुख, समृद्धि लाता है, नकारात्मक ऊर्जा को दूर करता है और घर में सकारात्मक ऊर्जा को आकर्षित करता है।

सदियों पुरानी है परंपरा: विंड चाइम्स का उपयोग मानव सभ्यता में हजारों सालों से होता आ रहा है। आध्यात्मिक तौर पर भी इसका काफी महत्व माना जाता रहा है। इसकी हर झनझनाहट को प्रकृति का संदेश माना जाता है। यही वजह है कि विभिन्न संस्कृतियों और परंपराओं में इसका खासा महत्व है। अपने घर और आस-पास के माहौल को शांत और सकारात्मक बनाने के लिए अपने गार्डन, बरामदे या घर के किसी भी हिस्से में आप विंड चाइम्स लगा सकती हैं। लेकिन उसे लगाने से पहले कुछ बातों पर गौर करना चाहिए।

सही पीस का चुनाव करें: जिस भी जगह के लिए आप विंड चाइम खरीदना चाह रही हैं, उस जगह के अनुरूप ही मिट्टी, कांच, लकड़ी, धातु या सिरेमिक की विंड चाइम ले सकती हैं। विंड चाइम्स, खोखली नली वाली ही खरीदनी चाहिए, इससे मधुर ध्वनि आती है। पीतल या स्टील की बनी विंड चाइम में रॉड की संख्या 6 से 7 होनी चाहिए। अगर बांस की बनी विंड चाइम हो तो इसमें रॉड की संख्या तीन-चार होती है। यह विंड चाइम ईको फ्रेंडली होती है। इससे घर में पॉजिटिव और नेचुरल वाइब्स आती हैं।

सही आकार का चयन: विंड चाइम्स कई आकार के होते हैं। विभिन्न ज्योमेट्रिकल डिजाइन आकार के अलावा सर्पिल, घंटियों के आकार का, गोलाकार, बेलनाकार में भी विंड चाइम्स मिलते हैं। आप अपनी पसंद की किसी भी रंग और डिजाइन का सेलेक्शन कर घर सजा सकती हैं।

सही दिशा में लगाएं: विंड चाइम्स को घर में सही दिशा में लगाने के पीछे भी वास्तु के नियम बताए गए हैं। जैस-धातु की बनी विंड चाइम पश्चिम या उत्तर-पश्चिम में लगानी चाहिए। लकड़ी से बनी विंड चाइम पूर्व या दक्षिण-पूर्व दिशा के लिए सही होती है। सिरेमिक की बनी विंड चाइम्स को दक्षिण-पश्चिम, उत्तर-पूर्व या घर के सेंटर में लगाना चाहिए। वास्तु शास्त्र के अनुसार धातु के विंड चाइम को कभी पूर्व में और लकड़ी के विंड चाइम को दक्षिण-पश्चिम दिशा में नहीं लटकाना चाहिए।

विंड चाइम का रंग-संख्या : चीनी वास्तु शास्त्र फेंगशुई में अलग-अलग रंगों की विंड चाइम को अलग-अलग अर्थों और तत्वों से जोड़कर देखा जाता है। करियर में आगे बढ़ने के लिए येलो कलर के विंड चाइम्स को उत्तर-पश्चिम दिशा में लटकाना चाहिए। व्हाइट और सिल्वर कलर की विंड चाइम को पश्चिमी दिशा में लगाने से परिवार के सदस्यों के बीच प्यार बढ़ता है। गार्डेन में लगाने के लिए ग्रीन कलर के विंड चाइम्स का चयन करें। बच्चों के कमरे के लिए यलो कलर के मेटलिक विंड चाइम का चयन करें।

स्किन केयर
शहनाज हुसैन, कॉस्मेटोलॉजिस्ट

तेज धूप से स्किन प्रोटेक्शन यूज करें होममेड सनस्क्रीन

सूरज की किरणों से त्वचा को होने वाले नुकसान से बचाने के लिए आप चाहें तो घरेलू चीजों से ही नेचुरल सनस्क्रीन बना सकती हैं। हम आपको यहां बता रहे हैं कुछ सनस्क्रीन बनाने के तरीके।

खीरा-गुलाब जल: खीरे का इस्तेमाल आप सनस्क्रीन लोशन बनाने के लिए कर सकती हैं। इसे बनाने के लिए सबसे पहले खीरे को कद्दूकस करें, फिर इसका पूरा रस निकाल लें। अब इसमें गुलाब जल मिलाकर एक घोल तैयार कर लें। अब इस मिश्रण को आप सनस्क्रीन की तरह इस्तेमाल कर सकती हैं। ठंडी तासीर की वजह से यह लोशन आपको ठंडक का अहसास भी देगा।

नारियल-जैतून तेल: नारियल और जैतून तेल से बनी सनस्क्रीन त्वचा के लिए काफी

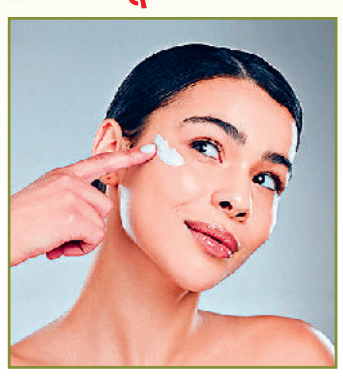

फायदेमंद होती है। इसे बनाने के लिए आधे कप नारियल तेल में ऑलिव ऑयल की 15 बूंदें डालें। अब इसमें 7 बूंद कैरट सीड ऑयल मिलाएं और इसे एक कांच की बोतल में भरकर रख दें। आप इसे लंबे समय तक सनस्क्रीन के रूप में इस्तेमाल कर सकती हैं।

शिया बटर-बादाम तेल: कांच के एक कटोरे में दो चम्मच बादाम का तेल, एक चम्मच शिया बटर, एक चम्मच कोको बटर, विटामिन के कैप्सूल, जिंक ऑक्साइड आधा चम्मच लें। सभी चीजों को अच्छी तरह से मिलाकर एक एयर टाइट कंटेनर में रख लें और बाहर जाने से 15-20 मिनट पहले इसे लगा लें।

विटामिन ई-जिंक ऑक्साइड: इस सनस्क्रीन को बनाने के लिए 1 चम्मच एलोवेरा जैल, 4-5 बूंद विटामिन ई का तेल, 1 चम्मच सूरजमुखी का तेल और 2-3 चम्मच जिंक ऑक्साइड को कांच के कटोरे में मिलाकर क्रीम जैसा मिश्रण बना लें। इस मिश्रण को एयरटाइट कंटेनर में रखकर फ्रिज में रख दें। अपनी सुविधा के अनुसार धूप में जाने पर हर दो तीन घंटे के बाद इसे लगा सकती हैं। जिंक ऑक्साइड यू वी ए और यू वी बी दोनों किरणों को ब्लॉक करता है।

एलोवेरा और शिया बटर: 1 चम्मच एलोवेरा जैल, 1-2 चम्मच नारियल तेल, 3-4 चम्मच शिया बटर और 3-4 चम्मच जिंक ऑक्साइड को एक कटोरे में मिलाकर क्रीम जैसा मिश्रण बना लें। इस मिश्रण को एक प्लास्टिक के डिब्बे में डालकर फ्रिज में रख लीजिए। धूप में जाने पर हर दो घंटे बाद नियमित रूप से उपयोग कीजिए।

मेडिकल एडवाइस
डॉ. अंशुल जिंदल
सीनियर गायनेकोलॉजिस्ट
जिंदल अस्पताल, मेरठ

पीरियड्स साइकिल को लेकर अवेयरनेस के अभाव से कई बार महिलाओं को गंभीर बीमारियों का सामना करना पड़ता है। मेंस्ट्रुअल हाइजीन डे (28 मई) के अवसर पर आपके लिए जरूरी सलाह।

हर महिला के लिए है जरूरी
मेंस्ट्रुअल हाइजीन का रखें ध्यान

तकनीकी तौर पर समाज में बहुत विकास हुआ है लेकिन कुछ मामलों में अभी भी संकीर्ण सोच बनी हुई है। महिलाओं में होने वाली माहवारी यानी पीरियड्स को लेकर भी बहुत सी महिलाओं में जागरूकता का अभाव है। आंकड़ों के हिसाब से दुनिया भर में करोड़ों महिलाएं हर महीने पीरियड्स साइकिल से गुजरती हैं। लेकिन इनमें से तकरीबन 50 प्रतिशत महिलाओं को ही सेनिटरी पैड, टैंपून, मेंस्ट्रुअल कप, पीरियड्स पैंटी जैसे सुरक्षित मासिक धर्म उत्पाद मिल पाते हैं। अभी भी बड़ी संख्या में महिलाएं और लड़कियां ऐसी हैं, जो अपने पीरियड्स के दौरान सफाई के लिए इस्तेमाल होने वाले कपड़ों से लेकर, अखबार, घास का इस्तेमाल करने को मजबूर हैं। कई टीनएजर लड़कियों को तो पीरियड्स के बारे में कोई जानकारी ही नहीं होती है।

हो सकती हैं गंभीर बीमारियां: पीरियड्स के दौरान सफाई का ध्यान ना रखने से महिलाएं फंगल इंफेक्शन, यूरीनरी ट्रैक इंफेक्शन और रिप्रोडक्टिव ट्रैक इंफेक्शन का शिकार बन सकती हैं। ये इंफेक्शन फैल कर न केवल लड़कियों को मां बनने के सुख से वंचित कर सकता है, उनको सर्वाइकल कैंसर होने का खतरा भी बढ़ जाता है।

वेजाइनल इंफेक्शन: पीरियड्स के दौरान गंदा कपड़ा या कोई और गंदी चीज के इस्तेमाल करने से प्राइवेट पार्ट्स साफ नहीं हो पाते। इससे वहां मौजूद अच्छे बैक्टीरिया की मात्रा कम होती है और कैंडिडा नामक यीस्ट की मात्रा बढ़ जाती है। इससे कैंडिडिआसिस नामक इंफेक्शन हो सकता है।

सर्विक्स इंफेक्शन: प्राइवेट पार्ट में गंदगी रहने से गर्भाशय के मुख पर इंफेक्शन हो जाता है। इससे बांझपन और कैंसर भी हो सकता है

फैलोपियन ट्यूब इंफेक्शन: फैलोपियन ट्यूब में अंडे और स्पर्म फर्टिलाइज होते हैं। पीरियड्स हाइजीन का ध्यान न रखने से इंफेक्शन यहां तक पहुंचने की संभावना रहती है, जिससे महिलाएं कंसीव नहीं कर पाती हैं।

सर्वाइकल कैंसर: पीरियड्स के दौरान प्राइवेट पार्ट्स की सफाई ठीक तरह से न होने से इस कैंसर के होने का खतरा बढ़ जाता है। देश में हर साल सर्वाइकल कैंसर के करीब डेढ़ लाख मामलों में कम उम्र की लड़कियों की भी अच्छी-खासी संख्या होती है।

यूरिनरी ट्रैक इंफेक्शन: माहवारी के दौरान उपयोग किया जाने वाला कपड़ा या पैड अगर देर तक गीला रहे, तो यूरिनरी ट्रैक में इंफेक्शन हो सकता है। औरतें काम की भागदौड़ या अन्य कारणों से, अकसर काफी देर तक यूरीन पास करना इग्नोर करती हैं। पीरियड्स के दौरान अगर समय पर यूरीन पास न करें और अपने प्राइवेट पार्ट्स स्वच्छ न रखें तो उन जगहों पर बैक्टीरिया पनप सकते हैं। इनके कारण यूरिनरी ट्रैक इंफेक्शन भी हो सकता है।

इन बातों का रखें ध्यान: यहां बताई गई बीमारियों और इंफेक्शंस से बचाव के लिए कुछ यूजफुल टिप्स बता रहे हैं। ब्लीडिंग के दौरान सेनेटरी पैड को इस्तेमाल करते समय किसी भी तरह की हिचक न महसूस करें। पैड बदलने से पहले और बाद में हैंड वॉश करना न भूलें। कम से कम 4 से 5 घंटे में एक सेनेटरी पैड जरूर बदल लें। पीरियड्स का फ्लो ज्यादा है तो 2-3 घंटे या उससे पहले भी सेनेटरी पैड बदल लें। नए सेनेटरी नैपकिन लगाने से पहले वेजाइनल भाग को हमेशा साफ करें। पीरियड्स के बाद वेजाइना एरिया के आस-पास स्वच्छ पानी से धोएं।

प्रस्तुति: रजनी अरोड़ा

खबर संक्षेप

शिक्षक ट्रस्ट चलाएगा जलधारा अभियान

नारनौल। प्रगतिशील शिक्षक ट्रस्ट की ओर से नगर के विभिन स्थानों पर गोवंश व अन्य पशुओं हेतु पानी के पात्र रखवाए जाएंगे। ट्रस्ट अध्यक्ष डॉ. संजय शर्मा ने बताया कि रविवार देर शाम ट्रस्ट की कार्यकारिणी की बैठक में भीषण गर्मी में बेजुबान पशु पक्षियों को पानी की उपलब्धता सुनिश्चित करने के उदेश्य से ट्रस्ट की ओर से जलधारा अभियान संचालित करने का निर्णय लिया गया।

उन्होंने बताया कि सेवा का अर्थ केवल मानव सेवा ही नहीं अपितु सम्पूर्ण जीवों की सेवा है। जलधारा अभियान के तहत प्रगतिशील शिक्षक ट्रस्ट की ओर से भीषण गर्मी में गली मुहल्लों में फिरने वाले जीव जंतुओं की प्यास बुझाने जैसे सेवा कार्य को पूर्ण किया जाएगा। डॉ. मनोज यादव व ट्रस्टी दिनेश शर्मा ने बताया कि अभियान के अंतर्गत प्रथम चरण में नगर के 25 स्थानों पर पशुओं के लिए पानी की टंकियां रखवाई जाएगी। जलधारा अभियान के संयोजक के रूप में ट्रस्टी दिनेश शर्मा व सुभाष सिंगला को नामित किया गया। बैठक में ट्रस्टी डॉ. जितेन्द्र भारद्वाज, राकेश शर्मा, भीमसेन शर्मा, नरोत्तम सोनी, अमित शर्मा, अजय कुमार, ओशीन शुक्ला आदि मौजूद थे।

अच्छे अंक लाने वाले छात्रों का किया सम्मान

महेंद्रगढ़। राजकीय प्राथमिक पाठशाला बलायचा में 10वीं व 12वीं परीक्षा परिणाम में विद्यार्थियों द्वारा की गई सफलता को लेकर सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस दौरान छात्र वंशिका पुत्री ईश्वर, समीक्षा पुत्री विक्रम, मन्नू पुत्री देवदत्त, महक पुत्री राजेंद्र को विद्यालय स्टाफ ने स्मृति चिह्न, फूलमाला व नकदी देकर सम्मानित किया गया। विद्यालय के मुख्य शिक्षक दिलबाग सिंह, प्राचार्य नरेश गोयल, सरपंच कंवर सिंह, वेदप्रकाश नंबरदार, नरेश शर्मा, विकास, एबीआरसी विक्रम ने अपने-अपने विचार रखें। मास्टर राजकुमार व दिलबाग सिंह ने आने वाले सभी ग्रामीणों का आभार जताया। इस मौके पर एसएमसी प्रधान श्रीभगवान, एसएमसी पूर्व प्रधान अंजू देवी, किरोड़ी, पुरुषोत्तम, सुखराम, भोलाराम, राजेंद्र, कृष्ण आदि मौजूद रहे।

पेयजल की बर्बादी करने वालों पर सख्त जन स्वास्थ्य विभाग

शहर व गांवों के लिए निरीक्षण टीमें गठित, पानी बहाने वालों की खैर नहीं

- ये टीमें क्षेत्र में जाकर कनेक्शनों का निरीक्षण करेंगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग एवं जल एवं स्वच्छता सहायक संगठन की ओर से जन जागरूकता अभियान के तहत शहरों व गांवों में पीने के पानी के दुरुपयोग को रोकने और अवैध जल कनेक्शन काटने के उद्देश्य से उपमंडल स्तर पर निरीक्षण टीमों का गठन किया गया है। ये टीमें क्षेत्र में जाकर नियमित रूप से निरीक्षण करेंगी। इस संबंध में जानकारी देते हुए अधीक्षण अभियंता एसपी जोशी ने बताया कि गर्मी के मौसम में पेयजल की समान आपूर्ति सुनिश्चित करने और जल की बर्बादी को रोकने के लिए यह अभियान प्रारंभ किया गया है।

उन्होंने बताया कि अभियान के अंतर्गत गठित टीमों में संबंधित उपमंडल अभियंता, कनिष्ठ अभियंता, बीआरसी, फिटर स्टाफ व अन्य आरएमई स्टाफ के सदस्य शामिल रहेंगे। टीमें शहरों में बड़े होटलों, रेस्टोरेंट्स, वाशिंग स्टेशनों आदि का निरीक्षण करेंगी। जिनके जल कनेक्शन अवैध पाए जाएंगे, उन्हें तत्काल काटा जाएगा या आवश्यकतानुसार कमर्शियल श्रेणी में बदला जाएगा। खुले में जल बहाने वाले उपभोक्ताओं को नोटिस देकर कनेक्शन काटने के निर्देश दिए गए हैं। शहर में कहीं भी जल रिसाव की शिकायत मिलने पर उसे तत्काल दुरुस्त किया जाएगा। साथ हीए उपभोक्ताओं से अपील की गई है कि वे अपने बकाया जल बिलों का समय पर भुगतान करें।

नारनौल। सिंघाना रोड पर वाशिंग सेंटर्स का निरीक्षण करती विभागीय टीम।

जिलेभर में टीमें गठित

जिला सलाहकार मंगतूराम सरसवा ने बताया कि नारनौल खंड में दो, निजामपुर में दो, नांगल चौधरी में एक, अटेली में एक, कनीना में एक तथा महेन्द्रगढ़ और सतनाली में एक एक टीम का गठन किया गया है। सभी टीमें गांवों और शहरों में जाकर होटलों, रेस्टोरेंट्स, वाशिंग सेंटर्स, निजी स्कूलों, पार्कों, धर्मशालाओं और घरों में जल कनेक्शन का निरीक्षण करेंगी। नलों पर टोंटी लगाना अनिवार्य किया गया है ताकि जल व्यर्थ न बहे। पेयजल कनेक्शन का वैध होना आवश्यक है। साथ ही उपभोक्ता अपने पेयजल कनेक्शन से बाड़ी की सिंचाई न करें। ऐसे मामलों की विशेष रूप से जांच की जाएगी और सूची तैयार कर कनेक्शन काटे जाएंगे।

निरीक्षण किया

उपमंडल अभियंता मुकेश कुमार ने बताया कि जन जागरूकता अभियान के तहत शहर में टीम ने निरीक्षण किया। इसमें जेई अभिषेक, सुपरवाइजर संजय, बीआरसी इंद्रजीत, फिटर महीपाल, भूपसिंह व शेखर शामिल रहे। टीम ने सिंघाना रोड स्थित होटलों और वाशिंग स्टेशनों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान सभी उपभोक्ताओं को जल बिल प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि उपभोक्ता अपने जल कनेक्शन वैध करवाएं, अन्यथा अवैध कनेक्शन शीघ्र ही काट दिए जाएंगे।

आदर्श बाल पब्लिक स्कूल में मेधावी प्रतिभाएं सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नांगल चौधरी

आदर्श बाल पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल देवता में मेधावी प्रतिभा सम्मान समारोह प्राचार्य देवेंद्र शास्त्री की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। जिसमें संस्था के निदेशक ओमप्रकाश यादव मुख्य रूप से मौजूद रहे। उन्होंने बाहरवीं कक्षा में टॉपर विद्यार्थियों को स्मृति चिह्न व प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया। इसके बाद अभिभावकों को बच्चों की दैनिक दिनचर्या तथा सोसायटी पर विशेष नजर रखने की हिदायत दी। जिससे बच्चों में अनुशासन और परिश्रम करने के भाव विकसित हो सकेंगे। बाहरवीं कक्षा की परीक्षा में 69 विद्यार्थी सम्मलित हुए थे। जिनमें 43 साइंस संकाय तथा 26 विद्यार्थी आर्ट संकाय के शामिल हैं। बोर्ड की ओर से घोषित परिणामों में साइंस संकाय के आठ विद्यार्थियों ने 95 फीसदी से अधिक अंक लेकर संस्था का नाम रोशन किया है। 22 को 90 फीसदी से अधिक तथा 13 विद्यार्थियों ने 80 प्रतिशत से ज्यादा अंक लेकर परीक्षा उत्तीर्ण की है। आर्ट संकाय में चार विद्यार्थियों को 90 फीसदी से अधिक तथा 11 ने मेरिट सूची में स्थान पाया है। उन्होंने बताया कि स्कूल में सांस्कृतिक व खेलकूद स्पर्धाओं पर विशेष फोकस किया जाता है जिस कारण बच्चों का मानसिक व शारीरिक विकास संभव होता है। इसके बाद विद्यार्थियों की अभिनंदन रैली निकाली व अभिभावकों को सम्मानित किया गया।

नांगल चौधरी। समारोह में मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित करते निदेशक ओमप्रकाश यादव।

आरबीएस डिग्री कॉलेज में संगोष्ठी आयोजित

संगोष्ठी को संबोधित करती वक्ता।

नारनौल। आरबीएस डीग्री कॉलेज में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी का मुख्य उद्देश्य बच्चों व अभिभावकों को नई शिक्षा नीति के बारे में जागरूक करना था। बता दें कि इंदिरा गांधी यूनिवर्सिटी की ओर से मान्यता प्राप्त सभी कॉलेजों में एनईपी 2020 पिछले वर्ष लागू कर दी गई थी और इसी को लेकर कॉलेज में भी संगोष्ठी का आयोजन किया गया। बच्चों और अभिभावकों के मन में एनईपी को लेकर जो भी शंका थी, उन सभी को यहां शिक्षाविदों की ओर से दूर किया गया। इस अवसर पर चेयरमैन राव बहादुर सिंह ने कहा कि यह कॉलेज आधुनिक शिक्षा को ध्यान में रखते हुए मूलभूत सुविधाओं से युक्त है और यहां हर प्रकार की मूलभूत सुविधाएं हैं। कॉलेज डायरेक्टर सुनीता यादव बताया कि कॉलेज में विद्यालय की भांति कक्षाएं लगाई जाती हैं और हर प्रकार से बच्चों का सुरक्षा का ध्यान रखा जाता है। इस मौके पर डॉ. प्रदीप यादव, डॉ. सुनील यादव, सुनील सैनी, सुनील डीपीई मौजूद रहे।

अंतिम दिन गांवों के पंचों को दिया प्रशिक्षण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मंडी अटेली

खंड विकास एवं पंचायत कार्यालय सिहमा में सोमवार को जनप्रतिनिधि प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतिम चरण में ग्राम पंचायत सागरपुर, शहरपुर, सलूनी, सिहमा, सिलारपुर, सुराना व सुरानी के पंचों को प्रशिक्षण दिया। प्रशिक्षण में पंचों को उनके अधिकार, कर्तव्य और पंचायती राज व्यवस्था की जानकारी दी गई। इसके साथ ही जल जीवन मिशन के तहत पेयजल व्यवस्था की जानकारी दी गई। जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग से खंड सिहमा के खंड संसाधन संयोजक धर्मेंद्र ने बताया कि जल प्रबंधन को अपनाकर जल जीवन मिशन को सफल बनाया जा सकता है। अपने सुरक्षित भविष्य के लिए हमें पानी की एक-एक बूंद का सम्मान करना चाहिए। जल संरक्षण एवं जल गुणवत्ता बनाए रखने में सर्व जन भागीदारी के साथ साथ ग्राम पंचायत प्रतिनिधियों और ग्राम जल एवं सीवरेज समिति की अहम भूमिका होती है। पंचों और समिति को अपने अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति जागरूक होना जरूरी है। साफ पानी पीना सभी का अधिकार है व साफ पानी रखना सबका कर्तव्य है। हमें अपने नल कनेक्शन को गंदे पानी की नाली से बाहर रखना चाहिए व उस पर टोंटी लगी होनी चाहिए, ताकि दूषित जल से बचा जा सके। मुख्य प्रशिक्षक पूनम यादव ने बताया कि ग्राम पंचायत के पंचों की अहम भूमिका होती है जो पंचायती राज व्यवस्था के लिए बहुत महत्वपूर्ण होती है। पंचायती राज प्रणाली में पंच गांव के लोगों के हितों की रक्षा करते हैं और गांव के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। पंच स्थानीय प्रशासन में भागीदारी करते हैं और गांव के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। पंच गांव में विवादों का निपटारा करते हैं और शांति बनाए रखने में मदद करते हैं। इसलिए, पंचायती राज में पंचों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है और वे गांव के विकास और लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते है इस मौके पर मुख्य प्रशिक्षक पूनम, डाटा इंट्री आपरेटर मंजू आदि मौजूद रहे।

मंडी अटेली। खंड सिहमा के पंचों को प्रशिक्षण देते हुए। फोटो : हरिभूमि

ज्ञानकोष ग्लोबल स्कूल में संगोष्ठी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

नशा मुक्त भारत अभियान के तहत गांव खरखड़ा आकोदा स्थित ज्ञानकोष ग्लोबल स्कूल में एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसकी शुरूआत विद्यालय सीईओ राकेश कुमार व अध्यक्षता प्राचार्य रामनिवास यादव ने की। सीईओ राकेश कुमार ने अपने संबोधन में विद्यार्थियों व अध्यापकों को संबोधित करते हुए बताया कि नशा एक गंभीर सामाजिक समस्या है, जो उन्हें केवल शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को भी प्रभावित करता है, बल्कि व्यक्ति के आर्थिक और सामाजिक जीवन को भी दबा देता है। प्राचार्य रामनिवास यादव ने बताया कि हम सबको किसी भी प्रकार के नशे चाहे वह शराब, गुटका, बीड़ी, सिगरेट या अन्य से दूर रहकर खेल, संगीत और शिक्षा पर अपना ध्यान केंद्रित करना चाहिए। उन्होंने बताया कि यदि हमारे आसपास नशे की लत से कोई जूझ रहा है तो हमें इसकी लत को छुड़ाने की भरपूर कोशिश करनी चाहिए। इस दौरान कोआर्डिनेटर तनु यादव ने सभी विद्यार्थियों को नशा मुक्त जीवन की शपथ दिलाई।

महेंद्रगढ़। नशा न करने की शपथ लेते विद्यार्थी।

बीएनडी स्कूल खातोदडा में पीटीएम आयोजित

महेंद्रगढ़। मीटिंग में उपस्थित अभिभावक। फोटो : हरिभूमि

महेंद्रगढ़। बीएनडी सीनियर सेकेंडरी स्कूल खातोदड़ा में अभिभावक-शिक्षक बैठक का आयोजन किया गया। अभिभावकों का प्राचार्य हनुमंत शर्मा ने स्वागत किया। सभी कक्षा अध्यापकों ने अभिभावकों को विद्यार्थियों की मई माह की यूनिट टेस्ट के बारे में जानकारी प्रदान की। पीटीएम में विद्यार्थियों की शैक्षिक समस्याओं का समाधान किया गया। चेयरमैन विजयपाल यादव ने बताया कि अभिभावक-शिक्षक बैठक का मुख्य उद्देश्य बच्चों की शैक्षिक समस्याओं पर चर्चा करके उनका समाधान करना है। माता-पिता और शिक्षक छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए दो महत्वपूर्ण स्तंभ हैं।इस अवसर पर मैनेजिंग डायरेक्टर अमित यादव, डायरेक्टर पूनम यादव, वाइस प्रिंसिपल दिनेश कुमार, कॉर्डिनेटर रोहित यादव, पीजीटी हेड अरविंद, टीजीटी हैड विकास यादव, पीआरओ राकेश यादव, किड्जी हैड मंजू यादव, पीआरटी हेड बनिता यादव उपस्थित रही।

रामबास में मेधावी विद्यार्थियों को जिला परिषद प्रमुख ने किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज कनीना

गांव रामबास स्थित राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में सोमवार को प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस समारोह के मुख्यातिथि जिला परिषद प्रमुख डॉ. राकेश कुमार थे। अध्यक्षता रमन शास्त्री ने की। विशिष्ट अतिथि बीईओ विश्वेश्वर कौशिक व बीआरपी दिलबाग सिंह उपस्थित थे। पूर्व बीईओ धर्मपाल सिंह उनकी पत्नी कमला देवी की स्मृति में आयोजित इस समारोह में प्रवक्ता रमन शास्त्री व सुन्नी देवी ने मेधावी विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति प्रदान की।

राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय रामबास के इन विद्यार्थियों ने हाल ही में जारी हुए बोर्ड की परीक्षा में अव्वल परिणाम हासिल किया था। उन्होंने बताया कि ऐसे विद्यार्थियों को आगे बढ़ाने की दिशा में छात्रवृत्ति पदान करने का फैसला किया गया था। जिसके अंतर्गत प्रति वर्ष 12वीं कक्षा में प्रथम तीन स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को क्रमशः 5100, 3100, 2100 तथा 10वीं कक्षा में श्रेष्ठ स्थान हासिल करने वाले विद्यार्थियों को 3100, 2100 व 1100 रुपये की नकद छात्रवृत्ति मुख्यातिथि के हाथों प्रदान की गई। इस मौके पर प्राचार्य ओमपाल, सुनीता देवी, नीलम देवी, धर्मवीर सिंह, मानसिंह, विकास कुमार, रामसिंह, राजेंद्र सिंह, अमरजीत, हंसराज, बिजेंद्र सिंह उपस्थित थे।

कनीना। समारोह में विद्यार्थियों को सम्मानित करते मुख्यातिथि व अन्य।

एसडी स्कूल ककराला में 5 दिवसीय समर कैंप शुरू

कनीना। एसडी वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय ककराला में सोमवार को पांच दिवसीय समर कैंप का शुभारम्भ किया गया। इस कैंप में नर्सरी से पांचवीं कक्षा के विद्यार्थी हिस्सा लेंगे। विद्यालय के चेयरमैन जगदेव यादव ने बतौर मुख्यातिथि कहा कि कैंप का समापन आगामी 30 मई को होगा। कैंप में पहले दिन विद्यार्थियों ने विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियों व रचनात्मक कार्यों को प्रस्तुत किया। जिसमें मुख्य रूप से भारत की शक्ति, व्यक्तित्व विकास, मिट्टी की ढलाई, पूल पार्टी, ध्यान व नृत्य गतिविधि, पाक कला, अभिनव विचार, सांस्कृतिक गतिविधियां, मूवी स्क्रीनिंग व खेल सम्बन्धित विभिन्न गतिविधियों का समावेश रहा।

महेंद्रगढ़। बच्चों को सम्मानित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

राव सुल्तान स्कूल में सम्मान समारोह आयोजित

महेंद्रगढ़। राव सुल्तान सिंह सीनियर सेकेंडरी स्कूल निम्बहेड़ा के बच्चों ने सैनिक स्कूल दाखिले के लिए के लिए परीक्षा परिणाम में अपना स्थान बनाया। संस्था निदेशक एडवोकेट सतपाल यादव ने बताया कि दिव्या पुत्री राजेश कुमार खेड़की व साक्षी पुत्री राजेश कुमार खेड़की ने अपनी मेहनत से यह परीक्षा पास की। बड़े ही गर्व ओर गौरव की बात है कि उपरोक्त दोनों सगी बहने हैं। इन्होंने इस परीक्षा को पास करके अपना ही नहीं, बल्कि माता-पिता, विद्यालय ओर गांव का नाम रोशन किया है। इस उपलब्धि पर पूरा विद्यालय स्टाफ ने दोनों बहनों के उज्जवल भविष्य की कामना की। इसी प्रकार से दोनों बहने आगे बढ़ती रहे। इस अवसर पर प्राचार्य राजकुमार शर्मा, उपप्राचार्य रामकुमार, कर्ण सिंह निंबल सहित समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

अग्रवाल वैश्य समाज का सम्मान समारोह व कोर कमेटी की बैठक

संजय मित्तल को जिम्मेदारी मिलना गौरव की बात

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

अग्रवाल वैश्य समाज की जिला इकाई के तत्वावधान में सम्मान समारोह व कोर कमेटी की बैठक एक निजी होटल में आयोजित की गई। अग्रवाल वैश्य समाज की ओर से आयोजित सम्मान समारोह में संजय मित्तल को नारनौल उपमंडल में वरिष्ठ नागरिक भरण पोषण व कल्याण अधिनियम का गैर सरकारी सदस्य बनाए जाने पर उनको फूल माला व पट्का पहनाकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर अग्रवाल वैश्य समाज के जिला अध्यक्ष संदीप नूनीवाला ने कहा कि अग्रवाल समाज के लिए बहुत ही गौरव की बात है हरियाणा सरकार ने अग्रवाल समाज को सम्मान देते हुए संजय मित्तल को इस पद पर मनोनीत किया है। उन्होंने बताया कि अग्रवाल वैश्य समाज समय समय पर अग्रवाल समाज के उन व्यक्तियों को सम्मानित करता है, जो किसी भी क्षेत्र में उपलब्धि हासिल करते हैं। इस अवसर पर संजय मित्तल ने कहा कि उन्हें जो सम्मान दिया गया है उसके वह सदा आभारी रहेंगे तथा इस पद पर मनोनीत करने पर हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी व पूर्व भाजपा जिला अध्यक्ष दयाराम यादव का आभार व्यक्त करते हैं। मंच का संचालन जिला उपाध्यक्ष मोहित जिंदल ने किया। सम्मान समारोह के उपरांत कोर कमेटी की बैठक में निर्णय लिया गया कि गर्मी को देखते हुए अग्रवाल वैश्य समाज पक्षियों के लिए अपने घरों व सार्वजानिक स्थलों पर पानी के सकोरे लगाएंगे तथा प्रत्येक मेंबर उसकी देखरेख करेगा।

नारनौल। बैठक में मौजूद समाज के लोग। फोटो : हरिभूमि

ये मौजूद रहे

इस मौके पर प्रदेश युवा महासचिव रवि गर्ग, जिला महासचिव जगमोहन गर्ग, जिला युवा अध्यक्ष चिराग अग्रवाल, जिला उपाध्यक्ष सीताराम सर्राफ, तुलसी गोयल, महेंद्र बंसल, राजकुमार चौधरी एडवोकेट, जिला कोषाध्यक्ष संजय गोयल, सुमत जैन, रविंद्र बंसल, उमेश मित्तल, नवीन केडिया, सुमित अग्रवाल, निखिल जैन, कृष्ण अग्रवाल, विनोद गर्ग, बसंत गोयल, प्रतीक मित्तल, पुनीत मित्तल एडवोकेट, विनय गुप्ता, उदित सिंघल, महिला विंग की जिला उपाध्यक्ष मधु गोयल, नीता गुप्ता, रचना अग्रवाल, जिला महासचिव सुनीता गोयल, रेखा सिंघल, जिला कोषाध्यक्ष रितु गोयल, रितु बंसल, रेनू गोयल, ममता मित्तल, पूजा जैन, निकिता जिंदल, सुशीला देवी, रंजना अग्रवाल, सरोज गर्ग, शीतल गर्ग, पूजा मित्तल, प्रीति मित्तल, इशिका गुप्ता व बेबी हितांशी मित्तल आदि मौजूद थे।इस मौके पर प्रदेश युवा महासचिव रवि गर्ग, जिला महासचिव जगमोहन गर्ग, जिला युवा अध्यक्ष चिराग अग्रवाल, जिला उपाध्यक्ष सीताराम सर्राफ, तुलसी गोयल, महेंद्र बंसल, राजकुमार चौधरी एडवोकेट, जिला कोषाध्यक्ष संजय गोयल, सुमत जैन, रविंद्र बंसल, उमेश मित्तल आदि मौजूद रहे।

हैप्पी स्कूल में शिक्षक-अभिभावक सम्मेलन आयोजित किया गया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

हैप्पी एवरग्रीन स्कूल में शिक्षक-अभिभावक सम्मेलन का आयोजन किया गया। इसका दूसरा उद्देश्य विद्यार्थियों की शैक्षिक योग्यता का आंकलन करना और उनका सर्वांगीण विकास करना था। इसमें सत्र 2025-26 की कक्षा नर्सरी से कक्षा 12वीं तक के बच्चों के शैक्षिक विकास पर चर्चा की गई तथा मई मासिक परीक्षा में प्राप्त अंक के विषय में जानकारी दी गई। सम्मेलन में 1064 की संख्या में अभिभावकों का आगमन हुआ, जिन्होंने अपने बच्चे की प्रत्येक गतिविधि को अध्यापकों के साथ सांझा किया। अभिभावकों ने अध्यापकों के कार्य की सराहना करते हुए 12वीं बोर्ड परीक्षा में राष्ट्रीय स्तर पर दूसरा स्थान प्राप्त करने वाली छात्रा सृष्टि गोयल व सभी बोर्ड टॉपर विद्यार्थियों को शुभकामना दी। उन्होंने कहा कि किसी भी विद्यार्थी की सफलता में अध्यापक और प्रबंधन समिति का महत्वपूर्ण योगदान होता हैं। प्राचार्य डॉ. जेएस कुंतल ने बताया कि अध्यापक-अभिभावक बैठक के आयोजन का उद्देश्य बताया।

महेंद्रगढ़। सम्मेलन में उपस्थित अभिभावक। फोटो : हरिभूमि

सीवरेज व्यवस्था भी हुई खराब
गंदा पानी बहता है रोड पर
सड़क का निर्माण न होने से आए दिन हो रहे हादसे

13 वर्षों से नहीं हुआ मोहल्ला खटीकान की सड़क का निर्माण राहगीरों और वाहन चालकों को उठानी पड़ रही परेशानी

- नगर पालिका प्रशासन इस रोड की नहीं ले रहा सुध
- 13 वर्षों से बदहाल अवस्था में पड़ा 350 मीटर सड़क मार्ग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। मोहल्ला खटीकान जर्जर अवस्था में सड़क। फोटो : हरिभूमि

मोहल्ला खटीकान में करीब 350 मीटर सड़क मार्ग पिछले 13 वर्षों से बदहाल अवस्था में पड़ा है। इसके अलावा सीवरेज व्यवस्था भी खराब है। आए दिन मार्ग पर सीवरेज ओवरफ्लो होकर गंदा पानी रोड पर बहता रहता है, जिसके चलते आसपास रहने वाले दुकानदार व मौहल्लावासी काफी दिनों से परेशान हैं। यह मार्ग 350 मीटर लंबा व करीब 30 मीटर चौड़ा है। 11 हट्टा बाजार से स्टेट हाईवे को जोड़ने वाला मुख्य रास्ता है। इस मार्ग से दो से ढाई हजार वाहनों का आवागमन रहता है। आसपास के गांवों के ग्रामीण भी इसी रास्ते से सब्जी व अन्य सामान लेने के लिए आते हैं। रोड टूटे होने के कारण वाहन चालक गिरकर चोटिल हो रहे हैं।

प्रशासन से स्थाई समाधन करने की मांग

जनस्वास्थ्य विभाग द्वारा इस मार्ग पर सीवरेज लाइन डाली हुई हैं। सीवरेज का गंदा पानी ओवरफ्लो होकर रोड पर बहता रहता हैं। इसके अलावा सीवरेज के मैनहॉल के ढक्कन भी जर्जर अवस्था में होने के चलते कभी भी हादसा हो सकता हैं। जनस्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी पानी ओवरफ्लो होने की शिकायत पर ठीक तो कर जाते हैं, लेकिन एक-दो दिन बाद हीं फिर से वहीं समस्या उत्पन्न हो जाती मोहल्ले के लोगों ने प्रशासन से स्थाई समाधन करने की मांग की हैं।

पिछले वर्ष इस मार्ग को लेकर टेंडर लगाए गए थे, लेकिन किसी कारणवश काम शुरू नहीं हो पाया। बता दें कि 11 हट्टा बाजार से स्टेट हाईवे का लगभग डेढ़ किलोमीटर रोड 2008 में बनाया गया था। रोड बनने के दो साल बाद ही रोड टूटने लगा था, तब से 11 हट्टा बाजार से मोहल्ला वाल्मीकि तक पूरा रोड टूटा हुआ है। कई स्थानों पर रोड दिखाई नहीं देता। इसके अलावा जर्ज़र रोड से निकली रोड़िया छुटकर आसपास रहने वाले लोगों को घायल कर रहीं हैं। वहीं इस रोड पर कबाड़ की कई दुकान होने के चलते कील, तार भी रोड पर पड़ी रहती हैं, जिसके कारण चार पहियां व दो पहिया वाहव भी अक्सर पंचर होते रहते हैं। आसापास के लोगों का कहना है कि नगर पालिका प्रशासन इस रोड की सुध नहीं ले रहा हैं। यह रोड इतना जर्जर हो चुका है कि आए दिन हादसे होते रहते हैं।

जल्द जारी होगा टेंडर

जल्द ही इसके लिए टेंडर जारी किए जाएगा। टेंडर के बाद सड़क का निर्माण करवाया जाएगा। जब तक सड़क का निर्माण नहीं होता तक तक पेचवर्क किया जाएगा, ताकि लोगों को कोई परेशानी न हो।

–रमेश सैनी, प्रधान नगर पालिका महेंद्रगढ़

मार्ग पर है कई दुकानें

इस मार्ग पर दो मंदिर, एक अस्पताल, स्कूल, मस्जिद, मासाखोरों की दुकान, कबाड़ की दुकानें, पटवार घर स्थित है। लोग लघु सचिवालय जाने के लिए इसी मार्ग का इस्तेमाल करते हैं। इसके अलावा लोग सब्जी मंडी व शहर का प्रमुख 11 हट्टा बाजार जाने के लिए इसी रोड से होकर गुजरते हैं। स्कूली विद्यार्थी व कॉलेज की छात्राएं महाविद्यालय में इसी रास्ते से जाते हैं। यह छोटा व आसान रास्ता भी है। आसपास के ग्रामीण पटवारी के पास भी इसी रास्ते से आते है। पिछले 13 वर्षों से यह रोड टूटा हुआ है। लोगों ने प्रशासन से इस रोड का जल्द निर्माण करने की मांग उठाई हैं।

खबर संक्षेप

नारनौल। हंसराज को बधाई देते हुए।

रोडवेज डिपो प्रधान हंसराज बने इंस्पेक्टर

नारनौल। रोडवेज डिपो प्रधान हंसराज यादव सब इस्पेक्टर पद से इस्पेक्टर पर पदोन्नति हुए है। इस अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता यातायात प्रबंधक पवन कुमार ने की। यातायात मुख्य निरीक्षक ब्रह्मप्रकाश यादव व सतीश कुमार यादव ने आयोजन में सहयोग से किया। कार्यक्रम में पवन कुमार ने गुलदस्ता देकर व जरनेल सिंह यादव ने फूलमालाएं पहनाकर बधाई दी। नारनौल डिपो में छह कर्मचारियों का प्रमोशन हुआ है।

बाबा सुरतानंद आश्रम में होगा पांच दिवसीय सांग

महेंद्रगढ़। गांव निम्बहेड़ा स्थित बाबा सुरतानंद आश्रम में जीर्णोद्धार एवं संत कुटीर के नवनिर्माण को लेकर पांच दिवसीय सांग का आयोजन किया जाएगा। आश्रम के महाराज आकाशगिरी ने बताया कि आश्रम में एक से पांच जून तक सांग का आयोजन होगा। इसके अलावा छह जून को विशाल जागरण व सात जून को भंडारे का आयोजन होगा। कार्यक्रम में मेघ सिंह तंवर सांगी रहेंगे।

भाजपा सांसद का बयान निंदनीयः एसयूसीआई

नारनौल। पहलगाम हमले को लेकर भाजपा सांसद रामचन्द्र की ओर से दिए गए बयान कि पहलगाम में सुहाग खो देने वाली महिलाओं में वीरांगनाओं जैसा जोश नहीं था, इसलिए 26 लोग मरे हैं। उनके इस अमर्यादित बयान की एसयूसीआई कम्युनिस्ट ने सख्त भर्त्सना की है। एसयूसीआई कम्युनिस्ट के राज्य सचिव कामरेड राजेन्द्र सिंह ने कहा कि उनका यह बयान महादुख के महासागर में डूबे परिवारजन के लिए दुख व पीड़ा को और भी बढ़ाने वाला है। यह केवल पीड़ित परिवारजन व महिलाओं का ही अपमान नहीं है, बल्कि समस्त महिला जमात का भी अपमान है। यह बयान संवेदनहीन भाजपा सांसद की कुत्सित सोच एवं निकृष्ट आचरण का ही द्योतक है।

दसवीं एवं बारहवीं पास छात्र कर सकते हैं आवेदन

रोजगारपरक शिक्षा के लिए पॉलीटेक्नीक संस्थान बेहतर विकल्प, ऑनलाइन आवेदन शुरू

राजकीय बाबा खेतानाथ बहुतकनीक संस्थान में विभिन्न छह कोर्सों के लिए निर्धारित की 420 सीटें

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

यह बोले प्रधानाचार्य

पॉलीटेक्नीक नारनौल के प्रधानाचार्य इंजीनियर अनिल यादव ने बताया कि एडमिशन शेड्यूल जारी कर दिया गया है। दसवीं एवं बारहवीं के लिए अलग-अलग तिथियां निर्धारित की गई हैं। आज से बारहवीं पास के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू हो गई है, जबकि दसवीं पास कल 27 मई से आवेदन कर सकेंगे। आवेदन ऑनलाइन करने होंगे। विद्यार्थी आवेदन करते समय पूर्ण सावधानी बरतें। सभी दस्तावेज और डिटेल चेक कर लें। हरियाणासियों के लिए अपडेट परिवार पहचान पत्र जमा कराना अनिवार्य है।

रोजगारपरक शिक्षा के लिए पॉलीटेक्नीक संस्थान को बेहतर विकल्प माना गया है। दसवीं एवं बारहवीं कक्षा पास छात्र–छात्राएं यहां एडमिशन लेकर अपना भविष्य संवार सकते हैं। आजकल इसी पॉलीटेक्नीक संस्थान में एडमिशन लेने के लिए सरकार ने पोर्टल खोल दिया है और आज सोमवार से एडमिशन के लिए ऑनलाइन आवेदन शुरू कर दिए गए हैं। नारनौल में भी राजकीय बाबा खेतानाथ बहुतकनीक के नाम से एक पॉलीटेक्नीक संस्थान काम कर रही है, जिसमें विभिन्न कोर्सों में दाखिला लेकर विद्यार्थी अपना भविष्य संवार सकते हैं। गौर हो कि तकनीकी शिक्षा निदेशालय ने बहुतकनीकी संस्थानों में दाखिले का शेड्यूल जारी कर दिया है। 12वीं पास लेटरल एंट्री विद्यार्थियों को 26 मई से और 10वीं पास विद्यार्थियों को 27 मई से ऑनलाइन आवेदन करना होगा। आवेदन विभागीय पोर्टल www.techadmissionshry.gov.in पर दिए गए लिंक से ही किए जा सकेंगे। आवेदन करते समय ही रजिस्ट्रेशन फीस जमा करानी होगी। सामान्य वर्ग के लिए फीस 1000 रुपये और आरक्षित वर्ग के लिए 700 रुपये निर्धारित की गई है। एडमिशन मेरिट बेस पर ही होंगे।

छह कोर्स कराए जाते हैं नारनौल में

राजकीय बाबा खेतानाथ बहुतकनीकी संस्थान में छह डिप्लोमा कोर्स कराए जाते हैं, जिनकी कुल 420 सीटें निर्धारित हैं। सिविल इंजीनियरिंग, कंप्यूटर इंजी., इलेक्ट्रीकल इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग, इंस्ट्रूमेंटेशन एंड कंट्रोल इंजीनियरिंग में 60-60 सीटें तथा मैकेनिकल इंजीनियरिंग में 120 सीटें निर्धारित की गई हैं। यानि कुल 420 सीटों पर विद्यार्थी दाखिला ले सकते हैं।

10वीं पास के लिए एडमिशन शेड्यूल

10वीं पास के लिए शेड्यूल 26 मई सुबह 11 बजे से 20 जून रात 11.59 बजे तक रहेगा तथा इच्छुक आवेदकों को ऑनलाइन आवेदन करने होंगे। इनकी 26 मई सुबह 11 बजे से 23 जून रात 11.59 बजे तक ऑनलाइन डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन होगी। फिर 27 जून शाम 5 बजे मेरिट सूची जारी की जाएगी। 30 जून सुबह 10 बजे से 3 जुलाई रात 11.59 बजे तक ऑनलाइन च्वाइस भरनी होगी। 4 जुलाई शाम 5 बजे सीट अलॉटमेंट होंगी। 7 जुलाई सुबह 10 बजे से 9 जुलाई शाम 5 बजे तक प्रथम फिजिकल काउंसिलिंग होगी।

12वीं पास के लिए एडमिशन शेड्यूल

12वीं पास के लिए शेड्यूल 26 मई सुबह 11 बजे से 20 जून रात 11.59 बजे तक रहेगा तथा इच्छुक आवेदकों को ऑनलाइन आवेदन करने होंगे। इनकी 26 मई सुबह 11 बजे से 23 जून रात 11.59 बजे तक ऑनलाइन डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन होगी। फिर 27 जून शाम 5 बजे मेरिट सूची जारी की जाएगी। 30 जून सुबह 10 बजे से 3 जुलाई रात 11.59 बजे तक ऑनलाइन च्वाइस भरनी होगी। 4 जुलाई शाम 5 बजे सीट अलॉटमेंट होंगी। 7 जुलाई सुबह 10 बजे से 9 जुलाई शाम 5 बजे तक प्रथम फिजिकल काउंसिलिंग होगी।

12वीं पास विद्यार्थियों की मेरिट सूची 27 को

ऑनलाइन आवेदन करते समय विद्यार्थियों को जरूरी दस्तावेज अपलोड करने होंगे। इनमें 10वीं और 12वीं की मार्कशीट या रिजल्ट कॉपी, बैंक पासबुक, परिवार पहचान पत्र की फोटो कॉपी, जाति और रिहायशी प्रमाणपत्र शामिल हैं। हैं। आरक्षित वर्ग के विद्यार्थियों के लिए कैटेगरी और इनकम 'परिवार पहचान पत्र' में वेरिफाई होना जरूरी है। परिवार पहचान पत्र में विद्यार्थी, पिता और माता का नाम मैट्रिक सर्टिफिकेट के अनुसार होना चाहिए। 12वीं के आधार पर आवेदन करने वालों के पास 10वीं और 12वीं दोनों की पास सर्टिफिकेट होना जरूरी है। 12वीं पास विद्यार्थी दो वर्षीय डिप्लोमा कोर्स और 10वीं पास विद्यार्थी तीन वर्षीय कोर्स के लिए आवेदन कर सकें सकेंगे। 12वीं पास विद्यार्थियों की मेरिट सूची 27 जून को और 10वीं पास विद्यार्थियों की मेरिट सूची 8 जुलाई को जारी की जाएगी।

महेंद्रगढ़। ज्ञान कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में कुलपति व विशेषज्ञ के साथ शिक्षक एवं प्रतिभागी। फोटो : हरिभूमि

हकेंवि में दस दिवसीय ज्ञान कोर्स का हुआ शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के सूक्ष्मजीवविज्ञान विभाग द्वारा सोमवार को माइक्रोबियल बायोफिल्म्स इन फूड प्रोसेसिंग, हेल्थ एंड डिजीज विषय पर दस दिवसीय ग्लोबल इनिशिएटिव आफ एकेडमिक नेटवर्क्स (ज्ञान) कोर्स का शुभारंभ किया गया। यह कार्यक्रम शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार द्वारा प्रायोजित है और विश्वविद्यालय के वैश्विक अकादमिक सहयोग की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेशवर कुमार ने दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कुलपति प्रो. टंकेशवर कुमार ने इस कोर्स के आयोजन के लिए सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग को बधाई दी और कहा कि इस प्रकार के कोर्स विद्यार्थियों व शोधार्थियों के लिए अत्यंत लाभकारी हैं तथा विश्वविद्यालय की शैक्षणिक प्रगति में सहायक हैं। कार्यक्रम की शुरूआत में विश्वविद्यालय के स्कूल आफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेस के डीन प्रो. दिनेश कुमार गुप्ता ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया। तत्पश्चात कोर्स समन्वयक डॉ. गुंजन गोयल ने ज्ञान कोर्स के महत्त्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि अब तक हकेंवि को कुल 20 ज्ञान कोर्स आबंटित किए जा चुके हैं। वर्तमान कोर्स में देशभर की विभिन्न संस्थाओं से कुल 56 प्रतिभागियों ने पंजीकरण किया है। आयोजन में अमेरिका से आमंत्रित विदेशी विशेषज्ञ और कोर्स प्रशिक्षक डॉ. अरुण कुमार भूनिया ने माइक्रोबियल बायोफिल्म्स के दैनिक जीवन में प्रभाव के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने इन जैविक समुदायों के सकारात्मक और नकारात्मक दोनों पहलुओं पर प्रकाश डाला। भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र (बीएआरसी) के डॉ. सुधीर कुमार शुक्ला ने भी माइक्रोबियल बायोफिल्म्स की संरचना और उनके वैज्ञानिक महत्व पर जानकारी साझा की।

सलीमपुर के विकास कार्यों को लेकर सरपंच ने सांसद को सौंपा मांग पत्र

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मंडी अटेली

मंडी अटेली। गांव के विकास कार्यों के लिए मांग पत्र सौंपती सरपंच आरती

अटेली क्षेत्र के गांव सलीमपुर की सरपंच आरती यादव ने गांव के विकास कार्य को लेकर सांसद चौधरी धर्मबीर सिंह से उनके निवास भिवानी में एक मांग पत्र सौंपा। मांग पत्र में बताया कि गांव में ढाई एकड़ में बने खेल मैदान की चारदीवारी एवं खेल ट्रैक बनाया जाए। खेल ग्राउंड में 100 ऊंचा राष्ट्रीय ध्वज लगाया जाए। गांव में बनी अनुसूचित जाति चौपाल की चारदीवारी व उसकी टाइलें लगवाई जाए। गांव में सार्वजनिक जगह पर ओपन जिम लगाई जाए। गांव की साफ सफाई को देखते हुए एक ट्रैक्टर ट्राली लगाई जाए। गांव में 25 हाई मास्क लाईट लगवाई जाए। धनौंदा हाईवे से कारिया की बणी तक चार किलोमीटर लंबा टायलों का रास्ता बनाया जाए। वहीं सरपंच आरती यादव ने बताया कि जब से वह सरपंच बनी है, तबसे उसका एक ही लक्ष्य रहा है उसके गांव का चहुंमुखी विकास कराकर निर्मल गांव बनाना, जिसको लेकर वह निरंतर प्रयास कर रही है। वह स्वच्छ पेयजल, स्वच्छता और बुनियादी ढांचे के विकास पर ध्यान केंद्रित कर रही है। इस दिशा में वह खुले में शौच करने के खिलाफ अभियान चला रही है।

पुलिस ने सार्वजनिक स्थान पर लोगों को किया नशे के खिलाफ जागरूक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

नारनौल। लोगों को नशा के खिलाफ जागरूक करती पुलिस। फोटो : हरिभूमि

पुलिस ने सार्वजनिक स्थान पर लोगों को नशे के खिलाफ जागरूक किया। पुलिस प्रवक्ता सुमित कुमार ने बताया कि पुलिस अधीक्षक पूजा वशिष्ठ के मार्गदर्शन में जिले में नशा मुक्त अभियान को लेकर पुलिस की अलग अलग टीमों की ओर से आमजन को नशा न करने हेतु जागरूक किया जा रहा है। इसी अभियान के तहत महिला निरीक्षक शारदा व उनकी टीम ने शहर क्षेत्र में सार्वजनिक स्थान पर जाकर लोगों को नशे से बचने हेतु जागरूक किया। पुलिस टीम ने बस स्टैंड पर लोगों, युवाओं को नशे के दुष्परिणामों के बारे में जागरूक किया और कहा कि नशा हमारे शरीर, परिवार, समाज और देश का सबसे बड़ा दुश्मन है। उन्होंने कहा कि नशे की लत लगने के कारण व्यक्ति को अपना शरीर, परिवार इत्यादि उसको कुछ दिखाई नहीं देता। वह नशे के लिए अपराध करने से भी नहीं हिचकता और नशे के पीछे भाग कर अपनी जिन्दगी को बर्बाद कर लेता है। इसके साथ अपने परिवार को भी बर्बाद करता है। इसलिए घर के जिम्मेवार सदस्य होने के नाते अपने परिवार की तरफ ध्यान देकर नशे से बचें, नशा न करने की शपथ लें। इसके अलावा यदि कोई व्यक्ति नशे का सामान बेचता है तो उसकी सूचना तुरन्त पुलिस को दें, ताकि नशा तस्करी करने वाले व्यक्ति के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा सके।

नारनौल। बस में यात्रियों को ठंडा पानी पिलाते पुलिसकर्मी। फोटो : हरिभूमि

पुलिस ने गर्मी में जलपान कराकर सेवा, सुरक्षा और सहयोग के नारे को किया साकार

नारनौल। पुलिस की ओर से सेवा, सुरक्षा व सहयोग के अपने ध्येय वाक्य को सार्थक करते हुए एक सराहनीय पहल की गई। भीषण गर्मी में सोमवार को नारनौल महेंद्रगढ़ रोड पर पुलिस के जवानों ने छबील लगाकर यात्रियों व राहगीरों को ठंडा व मीठा पानी पिलाकर उनकी प्यास बुझाई। नारनौल महेंद्रगढ़ रोड पर फैजाबाद चौकी प्रभारी एएसआई प्रीतम सिंह व उनकी टीम ने गर्मी के मौसम में राहगीरों को जलपान कराकर मानवीयता व कर्तव्यनिष्ठा का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया। भीषण गर्मी में बसों, गाड़ियों में सफर करने वाले, सड़क पर चलने वाले राहगीरों को अक्सर प्यास और थकान महसूस होती है। ऐसे में फैजाबाद चौकी प्रभारी प्रीतम सिंह और उनकी टीम ने उन्हें शीतल जल पिलाकर अत्यंत सराहनीय कार्य किया है। इस अवसर पर चौकी प्रभारी प्रीतम सिंह ने कहा कि हमारी जिम्मेदारी सिर्फ कानून व्यवस्था बनाए रखना ही नहीं है, बल्कि आम नागरिकों की हर संभव मदद करना भी है। गर्मी में राहगीरों को होने वाली परेशानी को देखते हुए हमने यह छोटा सा प्रयास किया है, ताकि उन्हें कुछ राहत मिल सके। टीम सेवा, सुरक्षा और सहयोग के लिए हमेशा तत्पर है।

महेंद्रगढ़। मन की बात सुनते पूर्व शिक्षा मंत्री रामबिलास। फोटो : हरिभूमि

प्रधानमंत्री मोदी की मन की बात कार्यक्रम सकारात्मक ऊर्जा का संचार करता हैः प्रोः शर्मा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व शिक्षा मंत्री प्रो. रामबिलास शर्मा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मन की बात के 122वें संवाद को गांव देवराली में बूथ संख्या-85 में भाजपा पदाधिकारियों ओर कार्यकर्ताओं के साथ सुना। शर्मा ने कहा कि मोदी ने मन की बात कार्यक्रम में स्वदेशी उत्पादों को अपनाने का आग्रह, विद्यार्थियों के लिए परीक्षा की नई सोच ओर पर्यावरण संरक्षण में जनभागीता की बाते बड़ी प्रेरणादायक रही।

जल संरक्षण पर उन्होंने कहा कि बारिश की बूंदों को संरक्षित करके भी हम बहुत सारा पानी बर्बाद होने से बचा सकते हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मन की बात कार्यक्रम समाज को बहुत बड़ी प्रेरणा देता है ओर समाज को इस कार्यक्रम से बहुत बड़ी सीख मिलती है।

एनडीआरफ टीम ने लघु सचिवालय में की मॉक ड्रिल

भवन के नीचे दबे नागरिकों को सुरक्षित तरीके से बाहर निकालने की हुई रिहर्सल

जिला प्रशासन की टीम ने राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया

- एनडीआरएफ की तरफ से एनडीआरएफ स्टोर, कमांड पोस्ट, कम्युनिकेशन पोस्ट तथा मेडिकल पोस्ट स्थापित की

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

किसी भी प्रकार की आपदा की हालात में हम कितने तैयार है। इस बात को परखने के लिए सोमवार को लघु सचिवालय में मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। उपायुक्त डॉ. विवेक भारती व पुलिस अधीक्षक पूजा वशिष्ठ की मौजूदगी में हुई इस रिहर्सल में सुबह ठीक नौ बजे रिक्टर पैमाने पर 7.4 की तीव्रता का भूकंप की सूचना मिलते ही सायरन बजा और राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) को सूचित किया। इसके साथ ही जिला प्रशासन की टीम ने राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। इस दौरान एसडीआरएफ, रेडक्रॉस, एम्बुलेंस, फायर ब्रिगेड व अन्य टीमों ने घायलों को बाहर निकाल कर प्राथमिक उपचार शुरू किया। इसके बाद एनडीआरएफ सातवीं बटालियन भटिंडा की टीम असिस्टेंट कमांडेंट सरोज रानी की कमान में पहुंची तथा राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) ने मोर्चा संभाला। एनडीआरएफ की ओर से भवन के नीचे दबे हुए नागरिकों को सुरक्षित तरीके से बाहर निकालने की रिहर्सल की गई। इस दौरान एनडीआरएफ की तरफ से एनडीआरएफ स्टोर, कमांड पोस्ट, कम्युनिकेशन पोस्ट तथा मेडिकल पोस्ट स्थापित की गई थी। इस टीम में सबसे पहले बिजली तथा गैस आदि के कनेक्शन काटे। इसके साथ ही खोज तथा बचाव कार्य शुरू किया। गोल्डन ऑवर को ध्यान में रखते हुए इस टीम ने जल्द से जल्द घायलों को प्राथमिक उपचार देते हुए अस्पताल में भिजवाया।

नारनौल। राहत एवं बचाव कार्य में जुटी एनडीआरएफ की टीम। फोटो : हरिभूमि

सभी प्रकार के टूल व संसाधन होते हैं टीम के पास

इस अवसर पर असिस्टेंट कमांडेंट सरोज रानी ने बताया कि राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) हमेशा आपात स्थिति के लिए तैयार रहता है। इस टीम के पास सभी प्रकार के टूल व संसाधन होते हैं जिनके माध्यम से बचाव त्वरित गति से होता है। इस मौके पर एसडीएम रमित यादव, नगराधीश मंजीत कुमार, डीएसपी दिनेश कुमार, डीएसपी हरदीप सिंह, सीएमओ डॉ. अशोक कुमार, जिला राजस्व अधिकारी राकेश कुमार, टीम कमांडर इंस्पेक्टर शिवकुमार, सब इंस्पेक्टर मोहन के अलावा अन्य अधिकारी भी मौजूद थे।